



बंगाल के घुसपैठियों को सीधे बीएसएफ को सौंपा जाएगा

मुख्यमंत्री ने पता लगाओ, हटाओ और निर्वासित करो नीति लागू करने की घोषणा की

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में नई सरकार के सत्ता संभालते ही जिस निर्णायक और कठोर कार्रवाई की शुरुआत हुई है, उसने साफ कर दिया है कि अब सीमा पार से होने वाली घुसपैठ, तस्करी और अवैध गतिविधियों को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने जिस आक्रामक अंदाज में पता लगाओ, हटाओ और निर्वासित करो नीति लागू करने की घोषणा की है, उसने पूरे देश में यह संदेश दे दिया है कि अब घुसपैठियों की खैर नहीं है।

नबाज में वरिष्ठ सीमा सुरक्षा बल अधिकारियों की मौजूदगी में आयोजित प्रेस वार्ता में शुभेंदु अधिकारी ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि राज्य पुलिस द्वारा पकड़े गए घुसपैठियों को सीधे बीएसएफ को सौंपा जाएगा और उसके बाद उन्हें देश से बाहर निकालने की प्रक्रिया शुरू होगी। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार ने पिछले वर्ष 14 मई को ही इस संबंध में राज्य सरकार को पत्र भेजा था,



लेकिन पिछली सरकार ने वोट बैंक की राजनीति के कारण इस महत्वपूर्ण प्रावधान को लागू नहीं किया। अब नई सरकार ने इसे तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया है।

मुख्यमंत्री ने साफ किया कि नागरिकता संशोधन अधिनियम यानि सीए के तहत आने वाले समुदायों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होगी। हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई समुदाय के वे लोग जो धार्मिक उत्पीड़न के कारण बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान से भारत आए हैं, उन्हें कानून के तहत सुरक्षा दी जाएगी। लेकिन जो लोग इस दायरे में नहीं आते, उन्हें घुसपैठिया माना जाएगा और उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई होगी। राज्य पुलिस ऐसे लोगों को

हिरासत में लेकर सीधे बीएसएफ को सौंप देगी। इसके बाद बीएसएफ, बांग्लादेश सीमा बल के साथ समन्वय कर निर्वासन की प्रक्रिया पूरी करेगी दिखा जाये तो शुभेंदु अधिकारी है [जानकारी के अनुसार, पांच जिलों में फैली 43 एकड़ खरीदी गई भूमि तथा लगभग 31.9 एकड़ निहित भूमि के स्वीकृति आदेश बीएसएफ को सौंपे गए हैं। बीएसएफ महानिदेशक प्रवीण कुमार ने भी इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि राज्य सरकार और बीएसएफ के बीच अब बेहतर समन्वय दिखाई दे रहा है। यह बदलाव सीमा सुरक्षा को और मजबूत करेगा हम आपको बता दें कि पश्चिम बंगाल की सीमा बांग्लादेश के साथ लगभग 2217 किलोमीटर लंबी है। इसमें करीब 1600 किलोमीटर क्षेत्र में पहले ही बाड़ लग चुकी है, लेकिन क्षेत्र में बाड़ लगाने हेतु भूमि बीएसएफ को सौंपने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह केवल शुरुआत है और आने वाले दिनों में सीमा सुरक्षा के लिए बड़े स्तर पर आधारभूत ढांचा तैयार किया जाएगा। देखा जाए तो शुभेंदु सरकार ने पहली ही कैबिनेट

बैठक में इस संबंध में फैसला लेकर यह साबित कर दिया कि वह केवल बयानबाजी नहीं, बल्कि जमीन पर कार्रवाई करने में विश्वास रखती है [जानकारी के अनुसार, पांच जिलों में फैली 43 एकड़ खरीदी गई भूमि तथा लगभग 31.9 एकड़ निहित भूमि के स्वीकृति आदेश बीएसएफ को सौंपे गए हैं। बीएसएफ महानिदेशक प्रवीण कुमार ने भी इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि राज्य सरकार और बीएसएफ के बीच अब बेहतर समन्वय दिखाई दे रहा है। यह बदलाव सीमा सुरक्षा को और मजबूत करेगा हम आपको बता दें कि पश्चिम बंगाल की सीमा बांग्लादेश के साथ लगभग 2217 किलोमीटर लंबी है। इसमें करीब 1600 किलोमीटर क्षेत्र में पहले ही बाड़ लग चुकी है, लेकिन क्षेत्र में बाड़ लगाने हेतु भूमि बीएसएफ को सौंपने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह केवल शुरुआत है और आने वाले दिनों में सीमा सुरक्षा के लिए बड़े स्तर पर आधारभूत ढांचा तैयार किया जाएगा। देखा जाए तो शुभेंदु सरकार ने पहली ही कैबिनेट

पुलवामा का मास्टरमाइंड हमजा बुरहान को अज्ञात हमलावरों ने गोलियों से भूना

नई दिल्ली। पुलवामा हमले से जुड़े एक वांछित आतंकवादी को गुरुवार को पाकिस्तान के मुजफ्फराबाद इलाके में गोली मार दी गई। आतंकवादी की पहचान हमजा बुरहान के रूप में हुई है। अज्ञात बंदूकधारियों ने उस पर गोलियां चलाईं, जिससे उसे कई गोलियां लगीं। सूत्रों का दावा है कि हमले के दौरान उसने दम तोड़ दिया। यह गोलीबारी पाकिस्तान के अधिकृत कश्मीर (पीओके) में स्थित मुजफ्फराबाद में हुई। अधिकारियों ने अभी तक हमलावरों की पहचान या हत्या के मकसद के बारे में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। हमजा बुरहान को पुलवामा हमले से जुड़े आतंकी अभियानों

के प्रमुख साजिशकर्ताओं में से एक माना जाता था। पुलवामा निवासी बुरहान, जिसका असली नाम अर्जुमंद गुलजार डार है, को केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा 2022 में आतंकवादी घोषित किया गया था। जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) से जुड़े एक प्रमुख कार्यकर्ता बुरहान को पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के मुजफ्फराबाद के पास घने जंगलों में एक लक्षित हमले में मार दिया गया। स्थानीय निवासियों ने बुधवार देर रात कई गोलियों की आवाज सुनी, जिसके बाद उसका शव कई गोली के घावों के साथ बरामद किया गया। अभी तक किसी भी समूह ने इस हत्या की जिम्मेदारी नहीं ली है।



रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सुशासन तिहार के अंतर्गत कोरिया जिले के सोनहत विकासखंड के ग्राम कुशहा में आयोजित चौपाल के दौरान नीति आयोग द्वारा वित्तपोषित 'मिशन कामयाबी' के तहत संचालित 'कामयाबी वेन' को हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया।

विस्तृत समाचार पेज-8 पर

सोनिया, राहुल और खरगे ने राजीव गांधी को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। देश के पूर्व प्रधानमंत्री और भारत रत्न राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर बृहस्पतिवार को पूरा देश उन्हें नमन किया। बृहस्पतिवार सुबह कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा समेत कई वरिष्ठ नेताओं ने राजीव गांधी के स्मारक वीर भूमि जाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। वहां आयोजित प्रार्थना सभा में नेताओं ने दिवंगत नेता के देश के प्रति दिए गए सर्वोच्च बलिदान को याद किया। इस मौके पर नेताओं ने उनकी समाधि पर पुष्प चक्र अर्पित किए और देश की एकता व अखंडता को अक्षुण्ण रखने का संकल्प दोहराया। खरगे ने एक्स पर पोस्ट किया, भारत के एक सपूत, जिन्होंने देश भर में लाखों लोगों में आशा और आकांक्षा को प्रेरित किया, पूर्व प्रधानमंत्री और भारत रत्न राजीव गांधी को उनके शहादत दिवस पर हम अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।



59 साल बाद कांग्रेस की तमिलनाडु मंत्रिमंडल में वापसी

चेन्नई। तमिलनाडु की राजनीति में बड़ा बदलाव हुआ है। दशकों बाद सी जॉसेफ विजय के नेतृत्व वाली सरकार के मंत्रिमंडल में कांग्रेस शामिल हो गई है। कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी गिरीश चोडनकर ने इसे पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए एक बड़ा तोहफा बताया है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता पिछले 59 वर्षों से पूरी निष्ठा के साथ मेहनत कर रहे थे। अब उनकी यह मेहनत सफल हुई है। चोडनकर ने इस घटना को तमिलनाडु के इतिहास का एक बड़ा मोड़ बताया। उन्होंने मंत्रियों के शपथ ग्रहण से पहले यह बात कही। बता दें कि लगभग छह दशकों के बाद कांग्रेस की तमिलनाडु कैबिनेट में वापसी हुई है। जिन दो मंत्रियों को मंत्रिमंडल में शामिल किया गया है उसमें एस राजेश और पी विश्वनाथन शामिल हैं। सांसद मणिमक टेंगोर ने कहा कि कांग्रेस अवसर गठबंधन में सत्ता साझा करती है। तमिलनाडु ही ऐसा राज्य था जहां पार्टी दूसरों को जिताने के लिए काम करती थी, लेकिन खुद सरकार से बाहर रहती थी।



केरल में स्पीकर पद के लिए उम्मीदवार उतारेगी भाजपा

तिरुवनंतपुरम। केरल विधानसभा में पहली बार तीन सीटें जीतने वाली भाजपा, स्पीकर पद के चुनाव में अपना उम्मीदवार उतारेगी। राज्य पार्टी अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने गुरुवार को यह बात कही। उन्होंने यहां पत्रकारों को बताया कि पार्टी ने कोल्लम जिले की चथनूर सीट से नव निर्वाचित विधायक बी बी गोपाकुमार को इस पद के लिए उम्मीदवार बनाने का फैसला किया है। स्पीकर पद के लिए चुनाव शुक्रवार को होंगे। कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ ने वरिष्ठ नेता थिरुवनचूर राधाकृष्णन को अपना उम्मीदवार घोषित किया है, जबकि विपक्षी एलडीएफ ने अभी तक अपने उम्मीदवार की घोषणा नहीं की है। राज्य विधानसभा में भाजपा के तीन विधायक गोपाकुमार, वी मुरलीधरन और स्वयं चंद्रशेखर हैं। चंद्रशेखर ने कहा कि केरल की राजनीति के इतिहास में पहली बार इस पद के लिए भाजपा का उम्मीदवार चुनाव लड़ेगा। गोपाकुमार भाजपा के उम्मीदवार होंगे। उनका नाम में और मुरलीधरन प्रस्तावित करेंगे।



पीएम मोदी को इकोनॉमी पर नए ज्ञान की जरूरत : कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने भारतीय अर्थव्यवस्था पर चिंता व्यक्त करते हुए आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भले ही ज्ञान के बल पर चुनाव जीत रहे हों लेकिन आर्थिक चुनौतियों से निपटने के लिए उन्हें नए ज्ञान की आवश्यकता है। संचार प्रभारी कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने दावा किया कि भारतीय अर्थव्यवस्था को लेकर लोगों का नजरिया इतना नकारात्मक हो गया है कि मोदी सरकार के पेशेवर समर्थक भी अपनी चिंताओं को सार्वजनिक रूप से व्यक्त करने लगे हैं। उन्होंने कहा कि महंगाई के अनुमान तेजी से बढ़ रहे हैं जबकि विकास के अनुमान काफी कम हो गए हैं। जयराम रमेश ने कहा कि प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) लगातार घट रहा है और आपूर्ति श्रृंखलाओं का इतना गंभीर कुप्रबंधन हुआ है कि प्रधानमंत्री ने अब उपभोक्ताओं से उपभोग कम करने का आग्रह किया है। उन्होंने एक बयान में कहा कि इन चिंताओं में कुछ भी नया नहीं है। कांग्रेस इन्हें कुछ समय से उठा रही है, जिनमें सबसे महत्वपूर्ण सुस्त निवेश माहौल से संबंधित है।



कांग्रेस अब माओवादी, मुस्लिम लीग हो गई है : गिरिराज सिंह

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने गुरुवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की और कहा कि कांग्रेस अब वह पार्टी नहीं रही जो स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान थी और अब एक माओवादी, मुस्लिम कांग्रेस बन गई है। प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिपरिषद को बैठक से पहले बोलते हुए, सिंह ने उन सुझावों को खारिज कर दिया कि यह उच्च स्तरीय बैठक राहुल गांधी की टिप्पणियों के जवाब में बुलाई गई थी। यह बैठक पहले से तय है। ऐसा नहीं है कि राहुल गांधी के बयान पर प्रधानमंत्री बैठक बुलाएंगे, मंत्रिपरिषद की बैठकें तो नियमित रूप से होती रहती हैं। कांग्रेस नेता पर तीखा हमला करते हुए सिंह ने कहा कि देश में राहुल गांधी की पकड़ कमजोर हो गई है। अब कांग्रेस वैसी नहीं रही जैसी आजादी के समय थी। यह माओवादी, मुस्लिम कांग्रेस बन गई है। उन्होंने कांग्रेस नेताओं पर प्रधानमंत्री को बार-बार अपशब्द कहने का आरोप लगाया और जोर देकर कहा कि लोग अभी भी पीएम मोदी का समर्थन कर रहे हैं।



धुरंधर अन्नामलाई को संसद के उच्च सदन में भेजने की तैयारी

नीरज कुमार दुबे

आंध्र प्रदेश से खाली होने वाली चार राज्यसभा सीटों को लेकर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में उम्मीदवार चयन की प्रक्रिया अंतिम चरण में पहुंच चुकी है। तेलुगु देशम पार्टी, जनसेना और भारतीय जनता पार्टी के बीच सीटों के बंटवारे और सामाजिक समीकरणों को ध्यान में रखते हुए नामों पर लगभग सहमति बन चुकी है। माना जा रहा है कि अंतिम क्षण में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ तो इन्हीं नामों में से उम्मीदवारों की आधिकारिक घोषणा की जाएगी।

सबसे अधिक चर्चा भारतीय जनता पार्टी की ओर से तमिलनाडु के जर्जिंत

नेता के. अन्नामलाई के नाम को लेकर हो रही है। सूत्रों के अनुसार राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के समझौते के तहत भाजपा को एक सीट दी गई है और पार्टी नेतृत्व के लिए अन्नामलाई के नाम पर मुहर लगा दी है। बताया जा रहा है कि दिल्ली नेतृत्व ने गठबंधन के अन्य सहयोगियों को भी इस फैसले की जानकारी दे दी है। अन्नामलाई का नाम सामने आने के बाद यह मामला केवल आंध्र प्रदेश तक सीमित नहीं रहा बल्कि तमिलनाडु की राजनीति में भी यह एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम बन गया है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि अन्नामलाई को आंध्र प्रदेश के रास्ते संसद के उच्च

सदन में भेजने के पीछे भाजपा की बड़ी रणनीति हो सकती है। माना जा रहा है कि उन्हें भविष्य में केंद्र सरकार में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी जा सकती है या राष्ट्रीय स्तर पर पार्टी में बड़ी भूमिका सौंपी जा सकती है। हम आपको याद दिला दें कि अन्नामलाई तमिलनाडु भाजपा के अध्यक्ष रह चुके हैं। उनके कार्यकाल के बाद नयनार नागेंद्रन को प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया था। उसी दौरान अन्नामलाई और भाजपा के बीच गठबंधन भी हुआ था। उस समय केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने संकेत दिया था कि अन्नामलाई को राष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी जाएगी। इसके



बाद से लगातार यह अटकलें लगाई जा रही थीं कि उन्हें कौन-सा पद मिलेगा। हाल के महीनों में अन्नामलाई के राजनीतिक भविष्य को लेकर कई तरह की चर्चाएं चलती हैं। कभी कहा गया कि उन्हें विधानसभा चुनाव में मौका मिलेगा, तो कभी यह चर्चा रही कि वह

स्वयं चुनाव नहीं लड़ना चाहते। कुछ समय पहले उनके खेती करने, डेयरी फार्म शुरू करने और यहां तक कि अलग राजनीतिक दल बनाने की चर्चाएं भी सामने आई थीं। इन सब अटकलों के बीच अब आंध्र प्रदेश से राज्यसभा भेजे जाने की संभावना ने नई राजनीतिक हलचल पैदा कर दी है। इस तरह की भी चर्चाएं हैं कि प्रधानमंत्री मोदी अपने मंत्रिमंडल का शीघ्र विस्तार और फेरबदल करने वाले हैं और उस दौरान अन्नामलाई को मंत्री बनाया जा सकता है। इस तरह की भी चर्चाएं हैं कि भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन की जल्द घोषित होने वाली राष्ट्रीय पदाधिकारियों की सूची में

अन्नामलाई को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष या राष्ट्रीय महासचिव की जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है। उधर, तेलुगु देशम पार्टी भी अपनी शेष सीटों के लिए सामाजिक और क्षेत्रीय संतुलन साधने में जुटी हुई है। पार्टी की ओर से कई वरिष्ठ नेताओं के नाम चर्चा में हैं। वर्तमान में राज्यसभा सदस्य साना सतीश को दोबारा मौका मिलने की संभावना मजबूत मानी जा रही है। पार्टी यदि अनुसूचित जाति वर्ग को प्रतिनिधित्व देने का फैसला करती है तो वरिष्ठ नेता वरला रामैया का नाम अगे आ सकता है। इसी तरह यदि पिछड़ा वर्ग प्रतिनिधित्व को प्राथमिकता दी जाती है तो पूर्व मंत्री और अनुभवी नेता यनमला रामकृष्णुडु का नाम प्रमुख

दावेदारों में शामिल है। इसके अलावा शिक्षा क्षेत्र से जुड़े भाष्यम शैक्षणिक संस्थानों के प्रमुख भाष्यम रामकृष्ण भी राज्यसभा सीट के लिए सक्रिय प्रयास कर रहे हैं। यदि पार्टी अल्पसंख्यक समुदाय को प्रतिनिधित्व देना चाहे तो वर्तमान में सरकार के अल्पसंख्यक मामलों के सलाहकार एमए शरीफ के नाम पर भी विचार किया जा सकता है। जनसेना पार्टी की ओर से भी उम्मीदवार चयन को लेकर रोचक स्थिति बनी हुई है। पहले यह माना जा रहा था कि पार्टी के वरिष्ठ नेता लिंगमनेनी रमेश को राज्यसभा भेजा जाएगा, लेकिन अब तस्वीर बदलती दिखाई दे रही है।

झारखंड में सुरक्षा बलों को मिली बड़ी कामयाबी: 27 माओवादियों ने किया सरेंडर, भारी मात्रा में जमा किए हथियार



जगदलपुर। झारखंड में सुरक्षा बलों को नक्सल मोर्चे पर बड़ी सफलता मिली है। राज्य के इतिहास में पहली बार 27 माओवादियों ने एक साथ सरेंडर किया है। रांची पुलिस मुख्यालय में डीजीपी तदशा मिश्रा और

एक्न्न अधिकारियों की मौजूदगी में इन नक्सलियों ने हथियार छोड़कर मुख्यधारा में लौटने का फैसला किया। सरेंडर करने वालों में सारंडा और कोल्हान क्षेत्र के सक्रिय माओवादी और प्रतिबंधित संगठन

छ्छुस्क के उग्रवादी शामिल हैं। इनमें 8 हार्डकोर नक्सली ऐसे भी हैं, जिन पर कुल 33 लाख रुपये का इनाम घोषित था। 6 नक्सलियों पर 5-5 लाख रुपये, एक पर 2 लाख और एक महिला माओवादी पर 1 लाख रुपये का



इनाम था। नक्सलियों ने सरेंडर के दौरान INSAS राइफल, स्क्रू पिस्टल, हजारों कारतूस और वॉकी-टॉकी समेत भारी मात्रा में हथियार भी जमा कराए। पुलिस के मुताबिक ये सभी उग्रवादी हत्या, सुरक्षाबलों पर हमला,

विस्फोट और लेवी वसूली जैसे 426 मामलों में शामिल रहे हैं। सरकार की पुनर्वास नीति के तहत सभी सरेंडर करने वाले नक्सलियों को आर्थिक सहायता और पुनर्वास का लाभ दिया जाएगा।

दीनदयाल उपाध्याय योजना की राशि में हेराफेरी, दो आरोपियों को दबोचा



दुर्ग। जिले में दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना की शासकीय राशि में धोखाधड़ी का मामला सामने आई है। धमधा और पाटन थाना क्षेत्रों में हितग्राहियों के बैंक खातों से राशि फर्जी खातों में भेजी गई। पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनके पास से मोबाइल फोन, नकद निकासी कार्ड तथा बैंक दस्तावेज बरामद हुए हैं। पुलिस ने बताया कि जनपद पंचायत धमधा और पाटन के अधिकारियों ने शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायतों के आधार पर दोनों मामलों में धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। शिकायतकर्ताओं ने बताया कि योजना की प्रोत्साहन राशि अन्य बैंक खातों में जा रही थी। दस्तावेजों के परीक्षण से धमधा

क्षेत्र के 44 हितग्राहियों की 4.50 लाख रुपये और पाटन क्षेत्र के 63 हितग्राहियों की 12.60 लाख रुपये राशि में धोखाधड़ी सामने आई। कुल 107 हितग्राहियों की 17 लाख 10 हजार रुपये से अधिक की राशि में गड़बड़ी हुई। पुलिस ने दोनों मामलों में धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर विवेचना में लिया। विवेचना के दौरान बैंक दस्तावेज, तकनीकी साक्ष्य और ऑनलाइन मंच की जानकारी का विश्लेषण किया गया। जांच में सामने आया कि आरोपी दीपक कुमार यादव और लिलेश्वर यादव उर्फ रवि ने यह धोखाधड़ी की। उन्होंने योजना संबंधी खातों में सुधार के लिए प्राप्त प्रवेश पहचान और कूटशब्द का दुरुपयोग किया।

जनपद अध्यक्ष-उपाध्यक्ष सहित सदस्यों ने खोला मोर्चा



कोरबा/पोंडी उपरोड़ा। कोरबा जिले के जनपद पंचायत पोंडी उपरोड़ा में प्रशासनिक फेरबदल के बाद एक बड़ा राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी कोरबा द्वारा जारी एक ताजा आदेश के तहत पोंडी उपरोड़ा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी (इश्वहू) जय प्रकाश डड़सेना को अचानक जिला पंचायत कोरबा में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) का नोडल अधिकारी नियुक्त कर दिया गया है। वहीं उनके स्थान पर भूपेन्द्र कुमार सोनवानी को आगामी आदेश तक पोंडी उपरोड़ा जनपद पंचायत का संपूर्ण प्रभार सौंपा गया है।

इस अचानक हुए ट्रांसफर आदेश के बाद पोंडी उपरोड़ा जनपद पंचायत के जनप्रतिनिधियों में भारी आक्रोश है। जनपद अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और समस्त जनपद सदस्यों ने इस प्रशासनिक फैसले पर अपनी कड़ी नाराजगी जाहिर की है और वर्तमान में चल रहे ‘सुशासन तिहार’ (सुशासन

ससाह) का पूर्ण रूप से बहिष्कार करने का ऐलान कर दिया है। जनपद उपाध्यक्ष और अन्य सदस्यों का कहना है कि वर्तमान सीईओ जय प्रकाश डड़सेना एक बेहद ईमानदार, मिलनसार और क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति को अच्छी तरह समझने वाले अधिकारी हैं। उनके कार्यकाल में जनपद के विकास कार्यों को गति मिल रही थी और भ्रष्टाचार पर पूरी तरह लगाम लगी हुई थी। ‘सुशासन तिहार’ के बीच में ही ऐसे कर्मठ अधिकारी को कोरबा अटैच करना सोधे तौर पर पोंडी उपरोड़ा के विकास कार्यों को बाधित करने जैसा है। पूरे छत्तीसगढ़ में सुशासन तिहार चल रहा है, जिसके तहत मौके पर ही लोगों की समस्याओं का निराकरण किया जा रहा है। आगामी 5 जून तक यह अभियान चलना है, लेकिन इसी बीच अचानक हमारे मुख्य कार्यपालन अधिकारी को कोरबा अटैच कर दिया गया। उन्हें क्षेत्र के चपे-चपे की और विकास कार्यों की पूरी जानकारी है।

पं. दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान के तहत सरगुजा भाजपा का प्रशिक्षण वर्ग

सरगुजा। पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान 2026 अंतर्गत भाजपा सरगुजा जिला का दो दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग संगठनात्मक गरिमा एवं उत्साह के साथ बुधवार को शुरू हुआ। उद्घाटन सत्र में प्रशिक्षणार्थी कार्यकर्ताओं का पंजीयन किया गया और प्रदर्शनी दर्शन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर अतिथियों द्वारा भाजपा



का ध्वजारोहण एवं दीप प्रज्वलन प्रशिक्षण वर्ग जिला प्रभारी किया गया। उद्घाटन सत्र में ज्योतिनंद दुबे, संगठन भाजपा

महिला सरपंच से मारपीट का मामला तूल पकड़ा, दूसरे पक्ष के लोग पहुंचे एसपी कार्यालय

कवर्धा। पंडरिया विकासखंड के ग्राम पंचायत नेउरगांव में महिला सरपंच से मारपीट के मामले ने तूल पकड़ लिया है। आज गांव के दूसरे पक्ष के लोगों ने भारी संख्या में एसपी आफिस पहुंचकर महिला सरपंच और उनके पति पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

ग्रामीणों के मुताबिक, वर्तमान सरपंच द्वारा पूर्व सरपंच द्वारा किए गए कार्यों की राशि नहीं दी जा रही है। तकरीबन 15 लाख रुपए गबन करने के नाम से पूर्व सरपंच पर मारपीट और गाली-गलौंच का आरोप लगाया गया है। ग्रामीणों के मुताबिक महिला सरपंच और उनके पति द्वारा गांव



वालों को एट्रोसिटी एकट में फंसाने की बार बार धमकी भी दी जाती है। जिसकी शिकायत गांव वाले पहले भी कर चुके हैं। वहीं मारपीट के मामले में ग्रामीणों ने बताया कि पहले सरपंच और सरपंच पति राहुल चंदाकार द्वारा गांव वालों के साथ मारपीट की

गई जिसके बाद गांव वालों ने बीच बचाव करते हुए उन्हें रोकने की कोशिश की।

इस पूरे मामले को लेकर गंगा गांव वालों ने आज एसपी आफिस में शिकायत की और महिला सरपंच और उनके पति पर कार्रवाई की मांग की है।

बलरामपुर में साइकिल से ऑफिस पहुंचे एसडीएम



बलरामपुर। छत्तीसगढ़ सहित देशभर में इन दिनों पेट्रोल डीजल की भारी किल्लत देखने को मिल रही है। बलरामपुर जिले में कई पेट्रोल पंप ड्राई हो चुके हैं। जबकि जिन चुनिंदा पेट्रोल पंपों में प्यूल उपलब्ध है। वहां वाहनों की लंबी कतारें लगी हुई हैं। वर्तमान परिस्थिति को समझते हुए ईंधन की बचत करने और लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से

रामानुजगंज एसडीएम साइकिल से ही अपने कार्यालय पहुंच रहे हैं। इसके साथ ही वे अन्य लोगों से भी ईंधन की बचत करने की साइकिल का उपयोग करने की अपील कर रहे हैं। बलरामपुर जिले की बात करें तो यहां पेट्रोल और डीजल की किल्लत बनी हुई है। इस वजह से वाहनों की रफ्तार अब धमने लगी है। रामानुजगंज के अनुविभागीय दंडाधिकारी आनंद राम नेताम ईंधन की बचत का संदेश देने के लिए साइकिल की सवारी कर रहे हैं। वे अपनी लमजरी वाहन को छोड़कर साइकिल से ऑफिस पहुंच रहे हैं। इसके साथ साथ वे साइकिल चलाने के प्रति लोगों को जागरूक कर रहे हैं। एसडीएम साहब शाम को दफ्तर के बाद साइकिल से घर लौट रहे हैं। अधिकारी कर्मचारी यदि नजदीक में जा रहे

हैं तो अपने साइकिल का उपयोग करें। यदि लंबी दूरी पर जाना पड़ रहा है तो अपने साथ के कर्मचारियों को एक ही चार पहिया वाहन में लेकर जाने का प्रयास करें। जिससे बहुत ज्यादा ईंधन की खपत न हो और उपलब्धता बनी रहे।हम आम पब्लिक से भी यही अपील करते हैं और अपेक्षा रखते हैं कि वो नजदीक की दूरी तय करने के लिए साइकिल का उपयोग करें ताकि ईंधन की उपलब्धता बनी रहे- आनंद राम नेताम, एसडीएम, बलरामपुर रामानुजगंज बलरामपुर जिले में कलेक्टर कार्यालय के द्वारा पेट्रोल डीजल में प्यूल वितरण के संबंध में आदेश जारी किया गया है। दोपहिया एवं चार पहिया वाहनों के लिए लिमिट तय कर दिया गया है।

छत्तीसगढ़
प्रमुख समाचार

ग्राहक संबंध अधिकारी नौकरी पाने का सुनहरा अवसर

जशपुर। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र जशपुर की तरफ से प्लेसमेंट कैंप का आयोजन किया जा रहा है। इस प्लेसमेंट कैंप का माध्यम से निजी क्षेत्र की दो कंपनियां कई नौकरियां ला रही है। दोनों प्राइवेट कंपनियां कुल 110 रिक्त पदों पर भर्ती करेगी। 25 मई सोमवार को जशपुर में प्लेसमेंट कैंप लगेगा। सुबह 11 बजे से जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र, जशपुर में दो कंपनियां कई पदों पर भर्ती करेगी। इच्छुक उम्मीदवार प्लेसमेंट कैंप में जरूर पहुंचे। जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि चैतन्य इंडिया फिन क्रेडिट प्रा.लि. में सीआई ग्राहक संबंध अधिकारी के 20 पदों पर भर्ती करेगी। इन पदों के लिए महिला एवं पुरुष दोनों अभ्यर्थी आवेदन कर सकेंगे। वहीं बॉम्बे सिक््योरिटी गार्ड में पुरुष अभ्यर्थियों के लिए सुरक्षा गार्ड के 60 एवं सुपरवाइजर के 30 पदों पर भर्ती की जाएगी। रोजगार कार्यालय ने इच्छुक युवाओं से निर्धारित तिथि और समय पर प्लेसमेंट कैंप में उपस्थित होने की अपील की है। आवेदक अपने सभी दसाथ शैक्षणिक दस्तावेज की कॉपी जरूर लाएं।

दीपका पेट्रोल पंप मैनेजर और ग्राहक के बीच हुई मारपीट

कोरबा। कोरबा में दीपका स्थित गोपीचंद पेट्रोल पंप पर आधी रात को डीजल को लेकर बड़ा विवाद हो गया। डिब्बे में जबरन डीजल भरवाने और उसे वापस लौटाने की बात पर प्रबंधक और एक-दूसरे ग्राहक के बीच हाथापाई हुई। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के खिलाफ मारपीट का मामला दर्ज कराया है। पंप के प्रबंधक केसर खान ने पुलिस को बताया कि रात 11 बजे वह घर चले गए थे। रात 12:50 बजे पंप कर्मियों रामकुमार और कृति कुमार ने उन्हें फोन किया। उन्होंने बताया कि शिवम शर्मा जबरन जेरीकेन लेकर आया था। शिवम ने गाली-गलौंच की और केसर खान से बात होने की बात कहकर छह हजार रुपये का डीजल ले लिया। सूचना मिलने पर केसर खान पंप पहुंचे। उन्होंने कर्मचारियों को डिब्बे में तेल न देने की बात समझाई। केसर ने शिवम को फोन कर डीजल वापस लाने को कहा। आरोप है कि शिवम फोन पर गाली देने लगा। केसर खान ने आरोप लगाया कि थोड़ी देर बाद शिवम पंप पर आकर हाथ-मुक्के से मारपीट करने लगा।

जमीन विवाद में छोटे भाई की हत्या, 24 घंटे में दबोचा

दंतेवाड़ा। जिले के टेकनार गांव में पारिवारिक जमीन विवाद खून संघर्ष में बदल गया। मामूली विवाद धीरे-धीरे इतना बढ़ गया कि एक भाई ने अपने ही सगे भाई की हत्या कर दी। आरोपी ने लोहे की गैती से बेरहमी से हमला किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए दंतेवाड़ा पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए 24 घंटे के भीतर आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। जानकारी के अनुसार यह पूरा मामला दंतेवाड़ा थाना क्षेत्र के ग्राम टेकनार कोन्टीपारा का है। पुलिस को 19 मई की शाम लगभग 4 बजे सूचना मिली कि गांव में एक व्यक्ति की हत्या कर दी गई है। सूचना मिलते ही दंतेवाड़ा पुलिस हरकत में आई और पुलिस अधीक्षक गौरव राय के निर्देश पर विशेष टीम गठित की गई। क्राइम सीन यूनिट को भी तत्काल मौके पर रवाना किया गया। पुलिस टीम जब घटनास्थल ग्राम टेकनार कोन्टीपारा पहुंची, तब वहां मृतक के परिजन और ग्रामीणों की भारी भीड़ मौजूद थी। घटना स्थल पर प्रार्थी सुरेश भास्कर पिता नेहरू भास्कर, उम्र 29 साल ने पुलिस को मौखिक रिपोर्ट दर्ज कराई।

कांकेर पुलिस की नई पहल ग्रीन पेट्रोलिंग सेवा का हुआ शुभारंभ

कांकेर। जिले में कानून व्यवस्था, यातायात नियंत्रण और रात्रिकालीन गश्त को अधिक प्रभावी एवं पर्यावरण अनुकूल बनाने के उद्देश्य से कांकेर पुलिस ने गुरुवर को ग्रीन पेट्रोलिंग इलेक्ट्रॉनिक पेट्रोलिंग वाहन सेवा की शुरुआत की है। इस पहल से आधुनिक और स्मार्ट पुलिसिंग को नया आयाम मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। कांकेर सांसद भोजराज नाग एवं कांकेर विधायक आशाराम नेताम द्वारा कार्यक्रम में हरी झंडी दिखाकर सेवा का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर कांकेर पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक योगेश साहू एवं अधिकारी-कर्मचारी एवं जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे। ग्रीन पेट्रोल वाहन शहर के प्रमुख चौक-चौराहों, भीड़-भाड़ एवं संवेदनशील क्षेत्रों में सतत निगरानी रखेंगे, जिससे यातायात व्यवस्था अधिक सुरक्षित एवं सुगम बनेगी। कांकेर पुलिस ने अपील करते हुए कहा कि यातायात नियमों का पालन करें, हेलमेट एवं सीट बेल्ट का उपयोग करें, वाहन चलाते समय सतर्क रहें, पुलिस निर्देशों का पालन करें।

गोदाम में लगी भीषण आग, पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम

बलौदाबाजार-भाटापारा। बलौदाबाजार जिले के लवन रोड स्थित एक किराना गोदाम में बीती देर रात भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने पूरे गोदाम को अपनी चपेट में ले लिया। आग पर काबू पाने के लिए दमकल की करीब दस गाड़ियां प्रयास करती रहीं तब जाकर काबू पाया गया। इस भीषण आग से करोड़ों रुपए का किराना सामान जलकर खाक हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, आग इतनी भीषण लगी थी कि आग का धुआं काफी दूर से दिख रहा था। इस वजह से आसपास के सीमेंट संयंत्रों से भी फायर ब्रिगेड की मदद ली गई। रायपुर से भी अतिरिक्त फायर ब्रिगेड टीम बुलाई गई। गोदाम में बड़ी मात्रा में तेल, धो के पीपे और अन्य किराना सामान रखा हुआ था। आशंका जताई जा रही है कि शॉर्टसर्किट के चलते आग लग होगीय, ज्वलनशील सामान होने की वजह से आग तेजी से फैलती गई। दुकान मालिक विकास आरतानी ने बताया कि रात करीब नौ बजे दुकान और गोदाम बंद कर घर चले गए थे। देर रात करीब तीन बजे के बीच उन्हें सूचना मिली।

बस्तर संभाग को मिली 32 डायल 112 गाड़ियां

बस्तर। छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग में पहली बार डायल 112 वाहन की शुरुआत की गई। नक्सल प्रभावित क्षेत्र होने की वजह से अब तक केवल बस्तर संभाग मुख्यालय जगदलपुर में ही डायल 112 वाहन की सेवा का लाभ जनता को मिल पा रहा था। लेकिन अब संभाग के अन्य 6 जिलो में इसका लाभ मिल सकेगा। बस्तर के आईजी सुंदरराज पी ने बताया कि बस्तर में नक्सल गतिविधि पूरी तरह से समाप्त होने के बाद प्रोफेशन पुलिसिंग में ज्यादा ध्यान दिया जा रहा है। संभाग के 7 जिलों के लिए कुल 32 डायल 112 की वाहन मिली है। सभी वाहन अत्याधुनिक तकनीक से लैस है।



नक्सली दहशत और अंदरूनी झगकों में सड़के नहीं होने की वजह से आपतकालीन सेवा और किसी भी अग्रिय घटना के दौरान लगींणों को नहीं मिल पा रहा था। ग्रामीण अब संभाग के अन्य 6 जिलों में इसका लाभ मिल सकेगा। इस दौरान सभी को मदद मिलेगी। बस्तर जिले में बाजपा के प्रदेश अध्यक्ष किरण देव, महापौर संजय पांडे, बस्तर आईजी सुंदरराज पी व बस्तर

एसपी ने डायल 112 की वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह सेवा बस्तर संभाग के लिए काफी महत्वपूर्ण होगी। साल 2018 में शुरू हुए डायल 112 सेवा के तहत 11614 शारिरिक अपराध जिसमें मारपीट सहित अन्य मामले हैं। जिनके सम्बन्ध में काम किया गया। 1740 अग्नि संबंधी आपतकार्यों में अपनी सहभागिता दी। वहीं चिकित्सा संबंधी 25 हजार 67 मामलों में डायल 112 का योगदान रहा। डायल 112 अत्याधुनिक तकनीकों से लैस है। जिसमें ब्रह्म केमरा, तबक्, मोबाइल, टैबलेट, फर्स्ट एड कीट और बलवा से निपटने के लिए भी सामग्री मौजूद है।

3 साल से अधूरी पड़ी जल जीवन मिशन योजना

■ 19 गांवों के लोगों को सरकार की चलाई रही योजनाओं की जानकारी दी गई. ग्रामीणों की शिकायतें भी प्रशासन ने सुनी.

मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी। जिले में केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना जल जीवन मिशन की जमीनी हकीकत बेहद चिंताजनक नजर आ रही है। कई गांवों में पानी टंकी निर्माण और पेयजल पाइपलाइन का काम वर्षों से अधूरा पड़ा है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण बेलरपुर गांव है, जहां करीब तीन साल पहले शुरू हुआ जल जीवन मिशन आज तक पूरा नहीं हो सका। नतीजा यह है कि भीषण गर्मी के बीच ग्रामीणों को आज भी पीने के पानी के लिए भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बेलरपुर गांव के दो मोहल्लों में केवल दो हैंडपंप ही ग्रामीणों की प्यास बुझाने का सहारा बने हुए हैं। एक हैंडपंप बस्ती के भीतर है, जबकि दूसरा गांव के स्कूल परिसर में लगा हुआ है। दोनों हैंडपंपों में बोरवेल सिस्टम लगाया गया था, लेकिन बस्ती वाले हैंडपंप का बोर



सिस्टम लंबे समय से खराब पड़ा है। ऐसे में लोग हैंडपंप का हैंडल चलाकर बड़ी मुश्किल से पानी निकाल पा रहे हैं। पानी भरने के लिए रोज लंबी कतार लगती है और घंटों मशक़त के बाद लोगों को पानी नसीब हो पाता है। दूसरे मोहल्ले के लोग स्कूल परिसर में लगे हैंडपंप पर निर्भर हैं। यहां बोरवेल सिस्टम के जरिए करीब 500 मीटर दूर तक पाइपलाइन बिछाई गई थी ताकि बस्ती तक पानी पहुंच सके, लेकिन पाइपलाइन का काम अधूरा छोड़ दिया गया। सड़क किनारे पाइप का एक हिस्सा बाहर निकला हुआ है,

जिसमें अतिरिक्त पाइप जोड़कर ग्रामीण पानी भरने को मजबूर हैं। स्थिति इतनी खराब है कि गंदगी और कीचड़ के बीच लोग पाइप से पानी लेकर लंबी दूरी तय कर अपने घर पहुंचते हैं। जिस जगह से लोग पानी भरते हैं, वहीं पशु-पक्षी भी दलदल के बीच अपनी प्यास बुझाते दिखाई देते हैं। इससे ग्रामीणों में बीमारी फैलने का भी खतरा बना हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि जल जीवन मिशन के तहत दो साल पहले ही हर घर तक नल से पानी पहुंच जाना चाहिए था, लेकिन ठेकेदार की लापरवाही और पीएचई विभाग की उदासीनता के कारण योजना अधूरी पड़ी हुई है। गर्मी बढ़ने के साथ गांव में पेयजल संकट और गहरा गया है। पीएचई विभाग के कार्यपालन अविद्यंता महेश साहू ने बताया कि निर्माण कार्य में लापरवाही को लेकर ठेकेदार को नोटिस जारी किया गया है। उन्होंने कहा कि निर्धारित समय-सीमा के भीतर काम पूरा नहीं होने पर अनुबंध निरस्त करने की कार्रवाई की जाएगी। साथ ही जरूरत पड़ने पर संबंधित ठेकेदार को ब्लैकलिस्ट भी किया जा सकता है।

संक्षिप्त समाचार

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह से वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने की रौजनीय मुलाकात



रमन सिंह से वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी ने गुरुवार को राजनादगांव स्थित उनके निवास कार्यालय में सौजन्य मुलाकात की। इस दौरान प्रदेश के समग्र विकास, सुशासन, वित्तीय प्रबंधन तथा जनहित से जुड़े विभिन्न विषयों पर सकारात्मक चर्चा हुई। वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी ने विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह के लंबे प्रशासनिक अनुभव एवं मार्गदर्शन को राज्य के विकास के लिए प्रेरणादायी बताया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड के अध्यक्ष श्री नीलू शर्मा सहित जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

कलेक्टर सिंह ने ली जनगणना कार्य की समीक्षा बैठक, लापरवाही पर होगी कार्रवाई



सभाकक्ष में कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने जनगणना कार्य के तहत विभिन्न जोन में कार्यरत प्रगणकों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में कलेक्टर डॉ. सिंह ने निर्देशित किया कि जनगणना का कार्य सर्वोच्च प्राथमिकता से जल्द से जल्द पूर्ण किया जाए। उन्होंने कहा कि तय समय-सीमा में जिन प्रगणकों एवं सुपरवाइजरों द्वारा कार्य पूर्ण नहीं किया जाएगा, उन पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। इस अवसर पर नगर निगम आयुक्त श्री संबित मिश्रा, अपर कलेक्टर श्री मनीष मिश्रा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

ईमानदार मेहनतकश रेल कर्मियों का सेको ने किया सम्मान



कल्याण संगठन, रायपुर (सेको) द्वारा उल्लास क्लब, शिवनाथ रेल विहार, डब्ल्यू.आर.एस कालोनी में श्रमिक दिवस के परिपेक्ष में कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर ईमानदार मेहनतकश रेल कर्मियों का सम्मान किया गया। इस श्रमिक दिवस उत्सव के आयोजन के अवसर पर अध्यक्ष/सेको, श्रीमती शिखा सिंह, उपाध्यक्षा श्रीमती अदिति अग्रवाल, सचिव श्रीमती राशी गुप्ता, कोषाध्यक्ष श्रीमती रितिका डूडी, सह-सचिव श्रीमती अमृता शाह एवं अन्य सभी सेको सदस्याएं उपस्थित रही।

सिविल सर्विस की प्रारंभिक परीक्षा का आयोजन 24 मई को



द्वारा सिविल सर्विस प्रारंभिक परीक्षा का आयोजन 24 मई रविवार को किया जाएगा। यह परीक्षा जिले के 22 परीक्षा केंद्रों में आयोजित होगी। परीक्षा की प्रथम पाली सुबह 9:30 बजे से 11:30 बजे तक एवं द्वितीय पाली दोपहर 2:30 बजे से 4:30 बजे तक संचालित होगी। इसमें कुल 8 हजार 449 अभ्यर्थी शामिल होंगे। परीक्षा से संबंधित गोपनीय सामग्री का वितरण सुबह 7 बजे एवं 12 बजे जिला कोषालय, कलेक्टर परिसर रायपुर से किया जाएगा। परीक्षा के संचालन के लिए डिप्टी कलेक्टर रायपुर उपेन्द्र किण्डो को सहायक को-ऑर्डिनेटिंग सुपरवाइजर तथा रोजगार अधिकारी, विशेष रोजगार कार्यालय रायपुर केदारनाथ पटेल को कंट्रोल रूम प्रभारी नियुक्त किया गया है।

तिल्दा के बीएनबी हाई स्कूल से कॉलेज मार्ग पर अवैध कब्जे पर चला बुलडोजर

रायपुर। जिला प्रशासन ने बुधवार देर शाम तहसीलदार रामप्रसाद बघेल ने पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचकर बीएनबी हाई स्कूल से कॉलेज मार्ग के बीच सरकारी जमीन पर बन रही तीन अवैध दुकानों पर बुलडोजर चलाकर कब्जा हटाया। उल्लेखनीय है कि सुशासन तिहार के दौरान अतिरुक्रमण के खिलाफ राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा को आमजनों द्वारा प्राप्त शिकायत किया गया था। इसके पश्चात उन्होंने तत्काल कार्यवाही के निर्देश दिए थे। शिकायत मिलने पर जिला प्रशासन द्वारा स्थल निरीक्षण किया गया, जिसमें सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा कर निर्माण कार्य किए जाने की पुष्टि हुई। तहसीलदार श्री बघेल ने तत्काल कार्रवाई करते हुए निर्माणाधीन तीनों दुकानों को हटवाया। कार्रवाई के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल भी मौके पर तैनात रहा। विभागीय अधिकारी ने बताया कि आने वाले दिनों में तिल्दा-नेवरा शहर एवं आसपास के क्षेत्रों में सरकारी भूमि पर किए गए अवैध कब्जों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जाएगा।

राजधानी/छत्तीसगढ़

सीएम साय ने महुआ पेड़ के नीचे लगाई चौपाल तेंदूपत्ता संग्राहकों की सुनी समस्याएं राशन, पेयजल, शिक्षा और महतारी वंदन योजना की ली जानकारी

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने गुरुवार को सूरजपुर प्रवास के दौरान रामानुजनगर प्राथमिक वनोपज सहकारी समिति अंतर्गत तेंदूपत्ता संग्रहण फंड पटना का निरीक्षण कर तेंदूपत्ता संग्राहकों से आत्मीय संवाद किया। मुख्यमंत्री ने तेंदूपत्ता संग्रहण कार्यों का जायजा लेते हुए संग्राहकों की समस्याओं, आजीविका और मूलभूत सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने वनाधारित अर्थव्यवस्था से जुड़े परिवारों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए अधिकारियों को संवेदनशीलता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के आगमन पर तेंदूपत्ता संग्राहकों ने तेंदूपत्ता और तेंदू फलों से निर्मित विशेष माला पहनाकर उनका अभिनंदन किया। इस अवसर पर मंत्री लक्ष्मी रजवाड़े, विधायक भूलन सिंह मरावी, वन विकास निगम के अध्यक्ष रामसेवक पैकार का भी सम्मान किया गया। मुख्यमंत्री ने संग्राहकों के श्रम और योगदान की सराहना करते हुए कहा कि वनाधारित आजीविका से जुड़े लोग ग्रामीण अर्थव्यवस्था की महत्वपूर्ण शक्ति हैं और उनके जीवन में समृद्धि लाना सरकार की प्राथमिकता है।

लक्ष्मी राजवाड़े की तत्पर पहल से सिलफिली मंडी को मिली राहत

■ औचक निरीक्षण के दौरान मिली शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई

रायपुर। आमजन की सुविधाओं और स्थानीय व्यापारियों की समस्याओं के त्वरित निराकरण को लेकर महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री एवं भटगांव विधायक श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े लगातार सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। उनके निर्देश पर सिलफिली सब्जी मंडी में वर्षों से लंबित ट्रांसफार्मर शिफ्टिंग की समस्या का स्थायी समाधान कर दिया गया है, जिससे क्षेत्र के व्यापारियों और नागरिकों को बड़ी राहत मिली है।

गौरतलब है कि 10 मई को मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने सिलफिली सब्जी मंडी का औचक निरीक्षण किया था। इस दौरान स्थानीय नागरिकों और दुकानदारों ने उन्हें ट्रांसफार्मर की अनुचित स्थिति, आवागमन में हो रही परेशानी तथा सार्वजनिक शौचालय के संचालन संबंधी समस्याओं से अवगत कराया था। मंत्री ने मौके पर ही समस्या का संज्ञान लेते हुए संबंधित विभागों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए थे।



सिलफिली सब्जी मंडी परिसर में ट्रांसफार्मर लंबे समय से ऐसे स्थान पर स्थापित था, जहां व्यापारियों, ग्राहकों और राहगीरों को आवागमन में परेशानी के साथ सुरक्षा संबंधी जोखिम का सामना करना पड़ता था। मंत्री श्रीमती राजवाड़े के निर्देश के बाद बिजली विभाग की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए ट्रांसफार्मर को सुरक्षित और उपयुक्त स्थान पर स्थानांतरित किया। इससे मंडी परिसर में आवागमन अधिक सुगम और सुरक्षित हो गया है तथा व्यापारिक गतिविधियों की भी सुविधा मिली है।

इसी क्रम में मंत्री श्रीमती राजवाड़े की पहल पर मंडी क्षेत्र में स्थित सार्वजनिक शौचालय को भी व्यवस्थित रूप से संचालित कराया गया।

पीसीसी चीफ दीपक बैज का विवादित बयान, कहा-हनीमून मनाने गए हैं मोदी-मेलोनी



रायपुर। प्रधानमंत्री मोदी-मेलोनी को लेकर पीसीसी चीफ दीपक बैज का विवादित बयान सामने आया है। उन्होंने कहा है कि ऐसा लग रहा है जैसे मोदी-मेलोनी हनीमून मनाने गए हैं। वेडिंग शूट की तरह मोदी और मेलोनी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर छई हुई हैं। यह फेलियर सिस्टम है। इसे रायपुर में क्यों लागू किया गया? अपराधों में कमी नहीं आई, बल्कि अपराध बढ़ गए। भाजपा विधायक धरमलाल कौशिक का फोन चोरी हो जाता है। कमिश्नरी प्रणाली लागू होने से रायपुर को क्या फायदा हुआ, सरकार बताए।

अंतागढ़ में 55 सरपंचों के इस्तीफे पर दीपक बैज ने कहा, चुने हुए सरपंच परेशान हैं। कोई निर्माण कार्य नहीं हो रहा। बजट का पैसा कहाँ जा रहा। अंतागढ़ की लागू करने की बात कही है। यह फेलियर सिस्टम है। इसे रायपुर में क्यों लागू किया गया? अपराधों में कमी नहीं आई, बल्कि अपराध बढ़ गए। भाजपा विधायक धरमलाल कौशिक का फोन चोरी हो जाता है। कमिश्नरी प्रणाली लागू होने से रायपुर को क्या फायदा हुआ, सरकार बताए।

दुर्ग-बिलासपुर में कमिश्नरी प्रणाली लागू करने पर पीसीसी चीफ दीपक बैज ने कहा, रायपुर में कमिश्नरी प्रणाली फेल है और गृहमंत्री ने दुर्ग और बिलासपुर में

सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नेताओं ने नक्सलियों का समर्थन भी किया है जो दर्शाता है कि कांग्रेस पार्टी नक्सलियों के साथ है आदिवासियों के साथ नहीं।

ठाकुर ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री श्री शाह ने एक बार फिर बस्तर का दौरा करके बस्तर में नक्सलियों की समाप्ति

■ छत्तीसगढ़ की फिजा खराब करने कई कांग्रेसी नेता अब अपने घर में काम करने वालों को भी अपराधी बनाने लगे- भाजपा

रायपुर। प्रदेश में बढ़ते अपराध के पीछे कई कांग्रेसी नेता और उनके कार्यकर्ताओं का हाथ होता है। छत्तीसगढ़ में लोग शांतिपूर्वक जीवन व्यतीत करें यह कांग्रेसी नेता नहीं चाहते। अपराध करने की आदि हो चुकी कांग्रेस पार्टी के कई नेता अब अपने घर में काम करने वाले लोगों को भी अपराधी बनाने का काम कर रहे हैं और उन्हें प्रदेश में अपराधिक घटनाओं को अंजाम देने के लिए तैयार कर रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता डॉ विजय शंकर मिश्रा ने कहा कि भाजपा विधायक धरमलाल कौशिक से मोबाइल लूटने वाला आरोपी का एक सीनियर कांग्रेस लीडर के घर आना-जाना था। अपराधी के पिता भी कांग्रेस नेता के घर काम करते हैं। जो इस बात को साबित करती है कि हर अपराध के पीछे कांग्रेस एवं कांग्रेसी नेताओं का हाथ होता है।

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता मिश्रा ने कहा कि छत्तीसगढ़ में कांग्रेस पार्टी के कई नेताओं पर केंद्रीय जांच एजेंसियों (जैसे ईडी) और स्थानीय पुलिस द्वारा अलग-अलग मामलों में कार्रवाई की गई है। इनमें कई कांग्रेसी नेता का



कि कोयले घोटाले से जुड़े मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा छत्तीसगढ़ में करीब 540 करोड़ रुपए के कथित कोयला लेवी घोटाले और मनी लॉन्ड्रिंग की जांच के तहत कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेताओं और उनके सहयोगियों के ठिकानों पर छापेमारी की गई। जिसमें प्रमुख रूप से प्रदेश कांग्रेस कोषाध्यक्ष रामगोपाल अग्रवाल का नाम आया। ईडी ने इनके परिसरों पर छापेमारी की। कांग्रेस पार्टी ने अवैध कोयला लेवी से वसूला गया पैसा पार्टी फंड और चुनावी खर्चों में इस्तेमाल किया। इसके साथ ही सतीश अग्रवाल (भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के पूर्व अध्यक्ष) और आर.पी. सिंह (कांग्रेस प्रवक्ता) के ठिकानों पर भी कथित तौर पर घोटाले की राशि का लाभार्थी होने के संदेह में जांच और छापेमारी की गई थी।

डॉ. मिश्रा ने कहा कि धोखाधड़ी और

पीडब्ल्यूडी के कार्यों में जनहित और तकनीकी दक्षता पर जोर

रायपुर। लोक निर्माण विभाग के सचिव श्री मुकेश कुमार बंसल ने आज वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक लेकर विभागीय कामकाज की समीक्षा की। उन्होंने नवा रायपुर में पीडब्ल्यूडी मुख्यालय निर्माण भवन में आयोजित बैठक में विभाग के कार्यों में जनहित और तकनीकी दक्षता पर जोर दिया। उन्होंने सभी निर्माण कार्यों में गुणवत्ता और तेजी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिक दक्षता और ज्यादा गति से काम करने नए तकनीकी उपकरणों, डिजिटलीकरण और सॉफ्टवेयर्स का उपयोग करने को कहा।

विभागीय सचिव बंसल ने बैठक में सभी टेंडर प्रक्रियाओं को पूरी पारदर्शिता और समय-सीमा के भीतर पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता और तेजी दोनों सुनिश्चित करना विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इनमें कोई कोताही नहीं बरती जाए। उन्होंने निर्माण कार्यों की नियमित और कड़ी मॉनिटरिंग के साथ ही जनहित एवं तकनीकी दक्षता का भी विशेष ध्यान रखने को कहा। लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों ने बैठक में बताया कि आधुनिक जियो-इन्फॉर्मेटिक्स तकनीक के माध्यम से निर्माण कार्यों की मॉनिटरिंग, मैपिंग और प्रोजेक्ट प्रबंधन को अधिक प्रभावी बनाया जा रहा है। उन्होंने विभागीय सचिव को टेंडर प्रक्रिया के तहत कार्य आबंटन, निर्माण कार्यों की बिलिंग प्रक्रिया एवं भुगतान प्रणाली के बारे में भी बताया।



प्रदेश में बढ़ते अपराध के पीछे कई कांग्रेसी नेताओं का हाथ: डॉ. मिश्रा

जालसाजी के मामले में जनवरी 2026 में, कांग्रेस विधायक बालेश्वर साहू को जांजगीर-चांपा जिले में एक किसान से लगभग 43 लाख रुपए की धोखाधड़ी और जालसाजी करने के आरोप में पुलिस ने गिरफ्तार किया। यह मामला उनके जिला सहकारी समिति के प्रबंधक रहने के दौरान का है। वहीं अगस्त 2024 में भिलाई से कांग्रेस विधायक देवेंद्र यादव को बलौदाबाजार में सतनामी समाज के प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा और कलेक्ट्रेट भवन में आगजनी के मामले में संलिप्तता के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। इसके साथ ही अरुण तिवारी (पूर्व विधायक, सीपत/बेलतरा) और बृजमोहन सिंह (कांग्रेस नेता, भिलाई) को जून 2025 में सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक टिप्पणियां करने और धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के आरोपों के तहत स्थानीय पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया गया था। रायपुर में लूट के एक मामले में ओम प्रकाश साहू (कांग्रेस पार्षद, रायपुर) का नाम आने के बाद इन्हें पार्टी से निलंबित कर दिया गया था। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही विभिन्न आपराधिक घटनाओं में कांग्रेस पार्टी के नेता एवं एनएसयूआई के कई कार्यकर्ताओं का नाम लगातार सामने आता रहा। यह अब पूरी तरह से जग जाहिर हो चुका है कि कांग्रेस का हाथ अपराधियों के साथ और हर अपराध में कांग्रेसियों का हाथ।

अरुण साव प्रथम तेलीन सती माता महोत्सव में हुए शामिल

रायपुर। उप मुख्यमंत्री अरुण साव कोण्डागांव जिले के केशकाल में साहू संघ बस्तर संभाग द्वारा आयोजित प्रथम तेलीन सती माता महोत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम में वन मंत्री केदार कश्यप, सांसद महेश कश्यप और भोजराज, विधायक नीलकंठ टेकाम और आशाराम नेताम सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं समाज के प्रमुखजन उपस्थित रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री साव ने तेलीन सती माता को नमन करते हुए महोत्सव के प्रथम आयोजन पर शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि केशकाल घाटी से गुजरने वाले यात्री तेलीन सती माता का आशीर्वाद लेकर अपनी यात्रा प्रारंभ करते हैं, जिससे उनकी यात्रा सफल और मंगलमय होती है। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले वर्षों में यह महोत्सव और अधिक भव्य स्वरूप में आयोजित होगा तथा सभी के सहयोग



से इसका गौरव लगातार बढ़ेगा।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समाज के गौरव हैं और उनके नेतृत्व में गांव, गरीब एवं किसानों के कल्याण के लिए अनेक जनहितकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि साहू समाज अन्य समाजों के साथ मिलकर छत्तीसगढ़ महतारी के गौरव को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि बस्तर सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक एकता का प्रतीक है। यहां मां देवश्री की आराधना के लिए देशभर से लोग एकत्रित होते हैं। उन्होंने समाज के लोगों से एकजुट रहने का आह्वान किया।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER, (E/M) DIVISION PUBLIC HEALTH ENGINEERING DEPARTMENT DHARAMPURA NO.-1, JAGDALPUR (CHHATTISGARH)			
NIT No. 01)...../TS/EE/E&M Dn./PHED/2026-27/Jagdalpur, NOTICE INVITING TENDER Sealed Tender are invited on behalf of the Governor of Chhattisgarh in Form "C" for the supply of following materials from the manufacturers or their Authorized Dealer.			Date 19/05/2026
Sr. No.	Description	Quantity in nos	Probable amount of contract (Rs. in Lacs)
01)	Supply of 150mm/6" Dia Digger Hammer Assembly complete assembly suitable for drilling of 150mm Dia Tube well & 650 cfm 150 psi to 1000 cfm to 275 psi compressor rating	12 nos	9.18
01) Earnest Money in Rs. - 9,500.00 02) Cost of Tender Document in Rs. - 750.00 03) Period of Completion - 30 days from the date of issued work order.			
1	Last Date of Receipt of Application to issue Tender Document	10.06.2026 upto 05:30PM	
2	Last Date of Sale of Tender Documents	10.06.2026 upto 05:30PM	
3	Last Date of Receipt of Tender Documents	15.06.2026 03:00PM	
4	Date of Opening of Tender	15.06.2026 04:00PM	
Terms & Conditions :- 01) Please published in state/local newspaper. 02) This short NIT will be part of agreement. 03) This short NIT also available in the P.H.E. Department website/Notice Board.			
		Excell Engineer (E&M) Division Public Health Engineering Department Jagdalpur (Chhattisgarh)	
G -262700873/5			

यह मेलोडी नहीं, मोदी की डिप्लोमेसी का जादू है..!

हरि वर्मा

सियासी पिच हो या सोशल मीडिया, मोदी अपने आप में ब्रांड हैं और यही कारण है कि उनका जादू देश-दुनिया में सर आंखों चढ़कर बोल रहा है। पांच देशों की यात्रा के आखिरी पड़ाव में मोदी ने इटली की प्रधानमंत्री मेलोनी को मेलोडी टॉफी उपहार में दी तो एकाएक तीन घंटे के भीतर ही सोशल मीडिया पर यह मोदी मैजिक (वीडियो) 6 करोड़ से ज्यादा बार छा गया। इसी की चर्चा होती रही। और तो और मेलोडी टॉफी बनाने वाली पारले जी प्रोडक्ट इंडस्ट्री का शेयर (स्टॉक) 5 फीसदी तक उछलकर शेयर सर्किट (5.25 रुपये) हो गया। दरअसल, यह चॉकलेटी मेलोडी का नहीं बल्कि मोदी का जादू है। विरोधी भले इसे मोदी की नौटंकी बताते हों लेकिन हकीकत जुदा है और दुनिया दीवानी। मोदी सियासी पिच पर आक्रामक हेलिकॉप्टर शांंट से न केवल विरोधियों को चुनावी मैच में हराते रहे हैं बल्कि गूगली गेंदों से गिल्ली भी उड़ाने के माहिर हैं। बिहार में गमछा लहराकर गर्दा उड़ाने की घटना हो या असम में अंगोछा से असमिया अस्मिता से जोड़ने का अंदाज, सब वाकिफ हैं। हाल के बंगाल के चुनाव में झालमुड़ी खाकर विरोधियों को तीखी मिर्ची का अहसास कराया। अब इटली की पीएम मेलनी के साथ मोदी की यह मैत्री वैश्विक चुनौतियों के बीच आर्थिक तौर पर देश में मिठास घोलने का ज़रूी है। मोदी-मेलनी मिलन के दरम्यान भारत में 2029 तक 29 बिलियन यूरो तक की अर्थव्यवस्था का खाका खींचा गया। पश्चिम एशिया संकट की इस घड़ी में मोदी पहले ही देशवासियों से तेल की कम खपत, सोने की खरीद न करने, ईंधन बचत, घर से काम और विदेश यात्रा में कटौती की अपील कर चुके हैं। इस अपील का असर दिखने लगा है। कुछ दिखावे का कदम है तो कुछ स्वतःस्फूर्त भी। आर्थिक चुनौतियों के साथ-साथ ईंधन संकट को लेकर यूएई से लेकर पांच देशों की इस यात्रा में मोदी का अर्थव्यवस्था को पंख देने, रक्षा और रणनीतिक समझौते पर ज्यादा जोर रहा। 2020 में कोरोना संकट के दौरान जब मोदी ने ताली-थाली बजाने या दीए-बाती जलाने की अपील की तो सारा देश एक अपील पर उनके साथ खड़ा हो गया था। तब भी विरोधियों ने ताली-थाली पीटने का मजाक उड़ाया। स्टार्टअप और मेक इन इंडिया जैसी अपील से रक्षा उत्पादों में आत्मनिर्भरता की दिशा में कदम बढ़ा। करीब-करीब 65 फीसदी रक्षा उपकरण देश में बनने लगे। आकाश और ब्रह्मोस का निर्यात होने लगा। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान दुश्मनों के दलैल खट्टे करने वाले ब्रह्मोस अब उत्तर प्रदेश में बनने लगे हैं। रक्षा मंत्रालय 67 फीसदी घरेलू खरीद को बढ़ावा दे रहा है। स्टार्टअप की वैश्विक रैंकिंग में भारत तीसरे नंबर पर आ गया है और युनिक्तार्न 1 अरब डॉलर से ज्यादा है। तीसरी अर्थव्यवस्था की ओर जोर है। मोदी की लोकप्रियता का ग्राफ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी बढ़ा है। लोकप्रियता के मामले में दुनिया भर के नेताओं को मोदी ने पछाड़ दिया है। इस्टा हो या यूट्यूब, मोदी के फॉलोअर्स सर्वाधिक हैं। यही कारण है कि जब वह बंगाल के चुनाव में झालमुड़ी खाते हैं तो एकाएक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर झालमुड़ी की बाढ़ आ जाती है। अब मेलोडी टॉफी छा गई है। मोदी अपने प्रशंसकों के बूते ही सियासी पिच से लेकर दुनिया भर में छाए रहते हैं। देश में सत्ता के शिखर पर हैं। अपनी मेहनत के बूते राज्यों में भी कमल और सहयोगियों (एनडीए) का विस्तार कर रहे हैं। देश की सत्ता के गलियारे से वामपंथ का पांव पूरी तरह से उखड़ चुका है। सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी भाजपा से अस्तित्व के लिए जूझ रही है। क्षत्रिय क्षत्र छूटने जा रहे हैं। इस्लामि मोदी शैली के निरोध में चाहे जो स्वर उठे लेकिन सच तो यही है कि यह मोदी का जादू है मितवा...।

पुराण दिग्दर्शन

सन्देहाभासनिकारणाध्यायः (नौवां अध्याय)

(गतांक से आगे...)

यह बालक किसको दूध पीयेगा ? यह दूध के लिए बार-बार रो रहा है- ऋषियों की ऐसी उक्ति सुन कर इन्द्र ने कहा कि हे पुत्र ! तू मत रो ! और मुझे पान कर- ऐसा कहते हुये उसके मुंह में इन्द्र ने अपनी अंगुली डाली ।।।31।। (इन्द्र के मँड-धाता कहने से ही इसका वैसे नाम पड़ गया)।

समाधान

उपर्युक्त कथा में भी वेदमन्त्रों की अचूक शक्ति के प्रताप से ही युवनाश्व की कोख से मान्धाता का उत्पन्न होना प्रकट किण है। सो वेदमन्त्रों की अमोघशक्ति का दिग्दर्शन हम पूर्व कर आये हैं, अतः यहाँ पिष्टपेषण करने की सुरारं आवश्यकता नहीं है, परन्तु हमारे दयानन्दी भाई वेदानुयायी होने का स्वांग भरते हुए भी हृदय से वैदिक चमत्कारों के विश्वासी नहीं होते, यह बात हमने कई बार समाजी पण्डितों की बातचीत के दौरान में नोट की है। अतः हम



प्रत्यक्षदात्री महाशयों को प्रत्यक्ष प्रमाण द्वारा भी सन्तुष्ट करना आवश्यक समझते हैं।

पुरुष के पेट से दो बच्चे

बलगेड सरबिया के अस्पताल में एक किसान अपनी गर्भिणी स्त्री को भरती कराने के लिये ले गया, जब डाक्टर से भेंट हुई तो उन्होंने कहा कि इस किसान के पेट में एक बहुत बड़ा फोड़ा है कि जिसके कारण इसे महान् कष्ट है- ओपरेशन किया गया तो पेट के ऊपरी भाग से दो बच्चे निकले ! एक लम्बाई में 6 इंच श्राधा पोण्ड का था, इसके सिर बाल, मुंह में कई दाँत थे। शरीर की समस्त रचना पूर्ण थी। दूसरा बच्चा अधूरा और अपूर्ण था उसका शिर और पेट बन चुका था। (ता० 26-6-25 के हिन्दुसर्वेच- -हरिद्वार से) सम्भवतः अब महाशयों को कुछ चीं चपट करने का अवसर न रहेगा, क्योंकि अब तो हमने बीसवीं सदी के वेदभूत- स्वत प्रमाण न्यूज पेपर का सबूत ऊपर दर्ज कर दिया है !
क्रमशः ...

ज्ञान/मीमांसा

अपराधमुक्त राजनीति से ही संभव है विकसित भारत

ललित गर्ग

भारत आज एक ऐतिहासिक संक्रमण काल से गुजर रहा है। एक ओर देश विकसित भारत–2047 के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है, दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है, वैश्विक मंचों पर भारत की प्रतिष्ठा निरंतर बढ़ रही है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व राजनीति और कूटनीति के केंद्र में उभर रहा है, वहीं दूसरी ओर भारतीय राजनीति में अपराध, धनबल और बाहुबल की बढ़ती पैट लोकतंत्र की आत्मा को आहत कर रही है। यह विडंबना ही है कि जिस भारत को विश्वगुरु बनने का स्वप्न दिखाया जा रहा है, उसकी राजनीति अभी भी अपराधमुक्त नहीं हो सकी है। हाल ही में पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के बाद सामने आए आंकड़ों ने इस चिंता को और गहरा कर दिया है। समाचार पत्रों में प्रकाशित एडीआर (ऐसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिपोर्ट) की रिपोर्ट के अनुसार पश्चिम बंगाल विधानसभा के लगभग 65 प्रतिशत विधायक अपराधिक मामलों वाले हैं, जबकि 61 प्रतिशत विधायक करोड़पति हैं। रिपोर्ट के अनुसार 294 विधायकों में से 190 विधायकों ने अपने विरुद्ध आपराधिक मामले घोषित किए हैं तथा लगभग 142 विधायकों पर गंभीर आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। इनमें हत्या, हत्या के प्रयास, महिलाओं के विरुद्ध अपराध और अन्य गंभीर मामले भी शामिल हैं।

यह केवल पश्चिम बंगाल की स्थिति नहीं है। संसद और देश की अनेक विधानसभाओं की स्थिति भी इससे बहुत अलग नहीं है। पिछले कुछ वर्षों के चुनावी विश्लेषण बताते हैं कि उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र, झारखंड, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना सहित अनेक राज्यों में बड़ी संख्या में ऐसे जनप्रतिनिधि चुनकर आए हैं जिन पर गंभीर अपराधिक आरोप हैं। लोकतंत्र के मंदिरों में अपराध और दागी छवि वाले लोगों की बढ़ती उपस्थिति आज राष्ट्रीय चिंता का विषय बन चुकी है। राजनीति मूलतः लोकसेवा, नैतिक नेतृत्व और राष्ट्रनिर्माण का माध्यम मानी गई थी। महात्मा गांधी, जयप्रकाश नारायण, लाल बहादुर शास्त्री, अटल बिहारी वाजपेयी जैसे नेताओं ने राजनीति को मूल्य आधारित दिशा दी। लेकिन समय के साथ राजनीति में वैचारिक प्रतिबद्धता का स्थान धीरे-धीरे चुनावी गणित, धनबल और प्रभावशाली समूहों ने लेना शुरू कर दिया। आज



कई राजनीतिक दल उम्मीदवार चयन में योग्यता, चरित्र और जनसेवा की बजाय जीतने की क्षमता को प्राथमिकता देते दिखाई देते हैं। यही कारण है कि दागी छवि वाले व्यक्तियों को भी टिकट देने में संकोच नहीं किया जाता।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केंद्र की राजनीति में आने के बाद अनेक मंचों से राजनीति के अपराधीकरण पर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने संसद में और सार्वजनिक मंचों पर कई बार कहा कि राजनीति को अपराधमुक्त बनाना लोकतंत्र की मजबूती के लिए आवश्यक है। उन्होंने जनप्रतिनिधियों से जुड़े मामलों के शीघ्र निपटान के लिए विशेष अदालतों की आवश्यकता पर बल दिया। किंतु चिंता का विषय यह है कि आज भी लगभग सभी राजनीतिक दलों की स्थिति समान दिखाई देती है। चुनाव जीतने की मजबूरी और राजनीतिक प्रतिस्पर्धा के कारण दल अपराधी और दागी उम्मीदवारों को टिकट देने से परहेज नहीं कर पा रहे हैं। इस स्थिति के पीछे कई कारण हैं। पहला कारण है चुनावों का अत्यधिक खर्चीला होना। आज चुनाव लड़ना सामान्य व्यक्ति की क्षमता से बाहर होता जा रहा है। बड़े संसाधनों वाले और आर्थिक रूप से प्रभावशाली लोग चुनावी प्रक्रिया में अधिक सक्रिय हो रहे हैं। दूसरा कारण है बाहुबल और प्रभाव का उपयोग। कई क्षेत्रों में आज भी राजनीतिक प्रभाव स्थापित करने के लिए शक्ति प्रदर्शन को महत्वपूर्ण माना जाता है। तीसरा कारण है न्यायिक प्रक्रिया की धीमी गति। गंभीर अपराधों से जुड़े मामलों के वर्षों तक लंबित रहने के कारण आरोपी चुनाव लड़ते रहते हैं और जनप्रतिनिधि बन जाते हैं।

राजनीति में अपराधीकरण का दूसरा बड़ा पक्ष है धनबल। पश्चिम बंगाल विधानसभा के आंकड़े बताते हैं कि 61 प्रतिशत विधायक करोड़पति हैं। यह प्रवृत्ति पूरे देश में दिखाई देती है। संसद और विधानसभाओं में करोड़पति

जनप्रतिनिधियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। प्रश्न यह है कि क्या लोकतंत्र धीरे-धीरे सामान्य नागरिक की पहुंच से दूर होता जा रहा है ? यदि राजनीति केवल धनवान और प्रभावशाली वर्गों तक सीमित हो जाएगी तो लोकतंत्र की समावेशी भावना कमजोर होगी। इन परिस्थितियों में नागरिक समाज और लोकतांत्रिक संगठनों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है।

भारतीय मतदाता संगठन इस दिशा में उल्लेखनीय प्रयास कर रहा है। इसके संस्थापक रिखबचंद जैन के नेतृत्व में लंबे समय से राजनीति को स्वच्छ और अपराधमुक्त बनाने की दिशा में जनजागरण अभियान चलाए जा रहे हैं। संगठन मतदाता जागरूकता, नैतिक मतदान, स्वच्छ राजनीति और जिम्मेदार नागरिकता को बढ़ावा देने के लिए कार्य कर रहा है। लोकतंत्र को केवल चुनावी प्रक्रिया नहीं, बल्कि मूल्य आधारित व्यवस्था मानते हुए यह संगठन समाज को जागरूक करने का प्रयास कर रहा है कि मतदाता केवल जाति, धर्म, क्षेत्र या दलगत निष्ठ के आधार पर नहीं, बल्कि उम्मीदवार के चरित्र और सार्वजनिक जीवन को देखकर मतदान करें। इसी प्रकार एडीआर (ऐसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिपोर्ट) जैसे संगठन भी चुनावी पारदर्शिता और जनप्रतिनिधियों की पृष्ठभूमि सार्वजनिक करने का महत्वपूर्ण कार्य कर रहे हैं। इन संगठनों के कारण आज मतदाताओं को उम्मीदवारों के आपराधिक मामलों, संपत्ति और शिक्षा संबंधी जानकारी उपलब्ध हो रही है। यह लोकतंत्र को मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

राष्ट्रीय चुनाव आयोग भी इस दिशा में लगातार प्रयासरत है। सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के बाद राजनीतिक दलों को उम्मीदवारों के आपराधिक रिकॉर्ड सार्वजनिक करने के निर्देश दिए गए हैं। उम्मीदवारों को शपथपत्र में अपनी आपराधिक पृष्ठभूमि, संपत्ति और देनदारियों की जानकारी देना अनिवार्य किया गया है। चुनाव आयोग लगातार मतदाता जागरूकता अभियान चला रहा है। किंतु केवल औपचारिक प्रयास पर्याप्त नहीं हैं। इन प्रयासों को अधिक तीव्र, व्यापक और प्रभावी बनाने की आवश्यकता है। आज आवश्यकता है कि राजनीति के अपराधीकरण के विरुद्ध राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक आंदोलन खड़ा किया जाए। इसके लिए कुछ ठोस

राजा राममोहन राय



पुरी की थी और आगे की पढ़ाई पूरी करने के लिए पटना भेज चले गए।

बता दें राजा राम मोहन राय मूर्ति पूजा और रूढ़िवादी हिंदू परंपराओं के खिलाफ थे। सिर्फ यही नहीं वह सभी तरह के सामाजिक धर्मांधता और अंधविश्वास के भी विरुद्ध थे। राजा राम मोहन राय के पिता एक कट्टर हिंदू ब्राह्मण थे। जिसके कारण उनका अपने पिता से विचारों का मतभेद होता रहा था। यही एक वजह थी कि उन्होंने बहुत छोटी उम्र में अपना घर छोड़ दिया था और हिमालय व तिब्बत की यात्रा पर निकल पड़े थे।

ईस्ट इंडिया कंपनी के रिवेन्यू डिपार्टमेंट में राजा राम काम कर रहे थे। यह इस दौरान उन्होंने जैन और मुस्लिम धर्म पर कई रिसर्च भी किए। उन्होंने अपने

विरोध किया था। उन्होंने गवर्नर जनरल लार्ड विलियम बेंटिक के माध्यम से सती प्रथा के खिलाफ कानून बनवा दिया था। उन्होंने माना कि जब वेदों में सती प्रथा की बात नहीं है, तो फिर हमारे समाज में भी यह नियम नहीं होना चाहिए। राजा राममोहन राय ने नारी समाज के उद्धार के लिये अनेक प्रयास किये। उनके व्यक्तित्व को महत्व देने के लिये उनके सहयोगियों ने सती होने की अमानुषिक प्रथा को कानून से रोकने का आंदोलन प्रारम्भ किया। यह उनके ही प्रयास का परिणाम था कि 1828 में सती प्रथा को समाप्त करने का कानून

कदम आवश्यक हैं- पहला, जिन उम्मीदवारों पर हत्या, बलात्कार, अपहरण, भ्रष्टाचार जैसे गंभीर आरोप न्यायालय द्वारा तय हो चुके हों, उनके चुनाव लड़ने पर प्रतिबंध लगाने पर गंभीर विचार होना चाहिए। दूसरा, जनप्रतिनिधियों से जुड़े मामलों के त्वरित निपटान हेतु विशेष न्यायालयों की संख्या बढ़ाई जाए ताकि वर्षों तक मुकदमे लंबित न रहें। तीसरा, राजनीतिक दलों को दागी उम्मीदवारों को टिकट देने पर जवाबदेह बनाया जाए। उन्हें सार्वजनिक रूप से बातना चाहिए कि स्वच्छ छवि वाले उम्मीदवार उपलब्ध होने के बावजूद दागी व्यक्ति को क्यों चुना गया। चौथा, चुनावी खर्च पर कठोर नियंत्रण और पारदर्शिता लाई जाए ताकि सामान्य और योग्य नागरिक भी राजनीति में प्रवेश कर सकें। पांचवां, मतदाता जागरूकता को जनांदोलन बनाया जाए। जब तक मतदाता स्वयं दागी उम्मीदवारों को अस्वीकार नहीं करेंगे, तब तक सुधार अधूरा रहेगा।

भारत आज जिस दिशा में बढ़ रहा है, वहां राजनीति की शुचिता और नैतिकता की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक है। यदि हम 2047 तक विकसित भारत बनाना चाहते हैं, यदि हमें विश्वगुरु बनाना है, यदि भारत को वैश्विक नेतृत्व करना है, तो राजनीति को अपराध और धनबल के प्रभाव से मुक्त करना ही होगा। आर्थिक शक्ति, तकनीकी प्रगति और वैश्विक प्रतिष्ठा तभी सार्थक होगी जब लोकतंत्र की आत्मा सुरक्षित रहेगी। राजनीति का उद्देश्य सत्ता प्राप्ति नहीं, समाज निर्माण होना चाहिए। लोकतंत्र केवल वोटों का गणित नहीं, बल्कि विश्वास, नैतिकता और जनप्रतिनिधित्व की पवित्र व्यवस्था है। यदि राजनीति अपराधमुक्त होगी तो शासन अधिक पारदर्शी होगा, जनता का विश्वास बढ़ेगा और राष्ट्रनिर्माण की गति भी तेज होगी।

आज आवश्यकता केवल सरकारों या चुनाव आयोग के प्रयासों की नहीं है, बल्कि समाज, मतदाता संगठनों, नागरिक संस्थाओं, मीडिया और जागरूक नागरिकों के संयुक्त अभियान की है। भारतीय मतदाता संगठन जैसे प्रयास इसी दिशा में आशा की किरण हैं। इन प्रयासों को राष्ट्रीय स्वरूप देने की जरूरत है। भारत के विकसित भविष्य की आधारशिला केवल आर्थिक विकास नहीं, बल्कि स्वच्छ राजनीति भी है। क्योंकि अपराधमुक्त राजनीति ही विकसित भारत, समृद्ध भारत और विश्वगुरु भारत को वास्तविक पहचान बन सकती है।

ब्रिक्स बैठक में दिखा रूस-ईरान का दोहरापन

प्रभु चावला

अंतरराष्ट्रीय संबंधों के विशाल रंगमंच में प्रशंसा सबसे सस्ती चीज है, जिसका उपयोग कूटनीति करती है। किसी राष्ट्र की योग्यताओं की सराहना करने, उसकी प्राचीन बुद्धिमता का गुणगान करने, उसकी राजनयिक क्षमता को सलाम करने और फिर उसे पूरी तरह दरकिनार कर देने का चलन है। पिछले सप्ताह नयी दिल्ली में संपन्न ब्रिक्स विदेश मंत्रियों की बैठक ने इस कला का उत्कृष्ट उदाहरण पेश किया। भारत की अध्यक्षता में बुलाईयी गयी इस बैठक का उद्देश्य फरवरी के अंत से वैश्विक ऊर्जा बाजारों को झकझोर रहे ईरान-अमेरिका संघर्ष पर सामूहिक संकल्प तैयार करना था। पर इसका अंत किसी संयुक्त घोषणा के बजाय विरोधाभास के साथ हुआ।

इस शिखर सम्मेलन ने दो ऐसे देशों की दोहरापन की कूटनीति का प्रदर्शन किया, जो स्वयं को अक्सर भारत के सबसे भरोसेमंद रणनीतिक साझेदार बताते हैं। ये देश हैं ईरान और रूस। उनके विदेश मंत्री सार्वजनिक रूप से नयी दिल्ली की शांति-स्थापक, सेतु-निर्माता और अपरिहार्य मध्यस्थ के रूप में प्रशंसा कर रहे थे, पर उनके द्वारा उठाये गये कदम अलग कहानी कह रहे थे। यह प्रशंसा की भाषा में छिपा हुआ योजनाबद्ध बहिष्कार था। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराचबी ब्रिक्स देशों की ‘अंतरराष्ट्रीय कानून के उल्लंघन’ और ‘पश्चिमी वर्चस्व के खिलाफ एकजुट’ करने दिल्ली आये थे। पर सम्मेलन विफल हो गया, क्योंकि ईरान अमेरिकी-इस्राइली ‘आक्रामकता’ को स्पष्ट निंदा पर अड़ा रहा। पर इस अवहमति के बीच भी अराचबी ने कहा कि नयी दिल्ली पश्चिम एशिया में शांति स्थापित करने में और बड़ी भूमिका निभा सकती है।

उन्होंने भारत की किसी भी रचनात्मक भूमिका का स्वागत किया और चाबहार बंदरगाह को मध्य एशिया का स्वर्ण द्वार बताया। उनके शब्द गर्मजोशी भरे, विमन्न और अत्यधिक प्रशंसात्मक थे। पर वे पूरी तरह खोखले भी थे। रूस के सर्गेई लावरोव ने भी यही भूमिका अधिक सटीकता के साथ निभायी।



उन्होंने पाकिस्तान की वर्तमान भूमिका और भारत की कहीं अधिक श्रेष्ठ दीर्घकालिक मध्यस्थता क्षमता के बीच स्पष्ट अंतर किया। उन्होंने कहा, यदि वे ईरान और उसके अरब मित्रों के बीच दीर्घकालिक मध्यस्थ चाहते हैं, तो अपने विशाल कूटनीतिक अनुभव और अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा को देखते हुए भारत यह भूमिका निभा सकता है। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि ब्रिक्स अध्यक्ष के रूप में भारत भविष्य की शत्रुता को रोकने के लिए ईरान और यूएई के बीच प्रारंभिक वार्ताओं की मेजबानी कर सकता है। ये सोच-समझकर दिये गये बयान थे- प्रशंसा में सटीक, पर व्यवहार में निरर्थक।

दरअसल, इन दोनों देशों ने पहले ही अपने निर्णय ले लिये थे। और उनमें भारत स्पष्ट रूप से अनुपस्थित था। फरवरी में अमेरिका-इस्राइल हमलों के बाद नाजुक युद्धविराम और होमजुं पर वास्तविक नाकेबंदी की भयावह स्थिति पैदा हुई, भारत ने हरसंभव अवसर पर हस्तक्षेप की अपनी तत्परता दिखाई थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहले ही दिन से तनाव कम करने की वकालत की। भारत ने बैक-चैनल सहायता की पेशकश की और बिना किसी शर्त के बार-बार मध्यस्थता की पेशकश की, क्योंकि यही ऐसा एक देश था, जो बिना वैचारिक पक्षपात के सभी पक्षों से विश्वसनीय संवाद कर सकता था। पर इस प्रस्ताव को न स्वीकार किया गया, न ही मान्यता

दी गयी। इसके बजाय तेहरान ने इस्लामाबाद का रुख किया। पाक मध्यस्थता के परिणामस्वरूप अप्रैल में युद्धविराम ढांचा तैयार हुआ और अमेरिका-ईरान वार्ता इस्लामाबाद में आयोजित हुई। ईरानी मंत्रियों ने पाकिस्तान की कई यात्राएं कीं। नाजुक कूटनीतिक गलियारे के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इसे राष्ट्र के लिए गर्व का विषय बताया। यूरोपीय राजधानियों, खाड़ी देशों और एशियाई कूटनीतिक मिशनों से बधाई संदेश आने लगे। भारत में प्रतिक्रिया तीखी और कठोर थी। रणनीतिक विश्लेषकों और विपक्षी नेताओं ने प्रश्न उठाये कि आखिर भारत को, जिसके तेहरान के साथ अधिक गहरे ऐतिहासिक संबंध, बेहतर अवसरचना, व्यापक वैश्विक विश्वसनीयता और क्षेत्रीय स्थिरता की वास्तविक इच्छा है, इस महत्वपूर्ण मंच से दूर क्यों रखा गया। संदिग्ध स्पष्ट था = सामरिक सुविधा को रणनीतिक साझेदारी पर प्राथमिकता दी गयी और भारत को दर्शक बनाकर छोड़ दिया गया।

ईरान द्वारा होमजुं में आवाजाही पर व्यापक प्रतिबंध लगाने के निर्णय ने इस दोहरापन को और बढ़ा दिया। इससे आपूर्ति बाधित हुई और भारत की ऊर्जा गणनाओं पर ऐसा असर पड़ा, जिससे अन्य देश काफी हद तक बचे रहे। ईरान का सबसे स्थायी राजनीतिक और सैन्य समर्थक रूस भी अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकता। मॉस्को के पास

तेहरान पर ऐसा प्रभाव है, जिसकी बराबरी कोई अन्य शक्ति नहीं कर सकती। यदि लावरोव सचमुच मानते कि भारत आदर्श दीर्घकालिक मध्यस्थ है, तो रूस ईरान पर दबाव डालने के लिए हर साधन का उपयोग कर सकता था। पर उसने ऐसा नहीं किया। जबकि मोदी और ट्रंप के बीच व्यक्तिगत संबंध हैं तथा भारत की यह अनोखी क्षमता है कि वह वाशिंगटन, तेहरान, रियाद और अबू धाबी से एक साथ संवाद कर सकता है। यही वे गुण थे, जिनकी लावरोव ने सार्वजनिक रूप से प्रशंसा की। पर मॉस्को ने न तो भारत की भागीदारी का समर्थन किया, न ही उसकी रक्षा की। यह भूल नहीं थी। यह प्रशंसा की भाषा में छिपा हुआ सुनियोजित निर्णय था।

दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था और सबसे बड़े ऊर्जा आयातकों में से एक भारत का इस समाधान में केवल हित ही नहीं, सभ्यतागत दायित्व भी है। पर अब हिसाब का समय आ रहा है। सबसे पहले इसका सामना इस्लामाबाद को करना पड़ेगा। पाकिस्तान की मध्यस्थता उसकी अपनी सीमाओं के बोझ तले ढह चुकी है। स्थायी परिणाम देने की उसकी क्षमता पर विश्वास खत्म हो चुका है। अब ईरान एक चौराहे पर खड़ा है। आंतरिक दबाव, आर्थिक अलावाय और कूटनीतिक थकान के बीच तेहरान को एक असुविधाजनक पर सरल सत्य स्वीकार करना होगा। भारत वह सब कुछ रखता है, जिसकी उसे अब सख्त जरूरत है। भारत की कूटनीतिक पूंजी उधार की नहीं है। यह देशकों की सिद्धांतवादी और धैर्यपूर्ण भागीदारी से अर्जित की गयी है। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन अनजाने में दूरदर्शिता की कमी की कीमत पर आधारित नैतिक नाटक बन गया। भारत के लिए इसने एक स्पष्ट सबक दिया है। जीवन की तरह कूटनीति में, प्रशंसा मिलना सम्मान मिलने के बराबर नहीं होता, और उत्सव का केंद्र बनना शामिल किये जाने के समान नहीं होता। अब मंच को केवल वका नहीं, एक सच्चे राजनेता की जरूरत है। तेहरान और मॉस्को को अब अपनी बात पर अमल करना होगा।

आज का इतिहास

- 1855 विक्टोरिया के प्रांत को न्यूसाउथ वेल्स से प्रशासनिक रूप से अलग किया गया।
- 1856 अमेरिकी कांग्रेसी प्रेस्टन ब्रूक्स ने सीनेटर चार्ल्स सुमेर पर एक भाषण के लिए बेंत से हमला किया था, सुमेर ने कांसर्स में दास-विरोधी हिंसा के प्रति सहानुभूति रखने वाले सांथर्स पर हमला किया था।
- 1863 अमेरिकी सिविल वॉर-यूनियन बलों ने लुइसियाना के पोर्ट हड्सन के कनफेडरेट यूनित्रित शहर में चेराबंदी करना शुरू कर दिया।
- 1892 डॉक्टर वाशिंगटन शेफ़िफ़ल्ड ने टूथपेस्ट के लिए ट्यूब का आविष्कार किया था।
- 1897 टेम्प नदी के नीचे पहला ब्लैकवॉल सुरंग ईस्ट एंड लन्दन में वाणिज्य और व्यापार को बेहतर बनाने के लिए खोला गया था।
- 1906 राष्ट्र बंधुओं ने अपने फ्लाईंग मशीन के लिए अमेरिका से पेटेंट पाया।
- 1915 लसेन पीक, नॉर्दन कैलीफ़ोर्निया के शास्ता कैस्केड क्षेत्र में, हिंसक रूप से विस्फोट हो गया, 20 वीं शताब्दी में माउंट सेंट हेलेंस तक 20 वीं शताब्दी में एकमात्र ज्वालामुखी विस्फोट।
- 1917 1917 की ग्रेट अटलांटा आग 21 मई को शुरू हुई और .5.5 मिलियन की क्षति हुई। लगभग 300 एकड़ सहित 2,000 घरों, व्यापार और चर्चों को नष्ट कर दिया गया था और लगभग 1,000 लोग विस्थापित हुए थे। हार्ट अटैक के कारण एक महिला की जान चली गई थी।
- 1933 विश्व व्यापार दिवस पहली बार मनाया गया।
- 1934 ओस्कोलोसा, लोआ, संयुक्त राज्य अमेरिका में बच्चों सहित अपने सभी नागरिकों के उंगलियों के निशान का डेटा इकठ्ठा करने वाली पहली नगर पालिका बन गई।
- 1939 द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान जर्मनी और इटली के बीच स्टील की संधि पर हस्ताक्षर।
- 1943 ब्रिटिश कमांडो ने एक ऑपरेशन फ़ैरियर में मैग्नेट के युगोस्लावियन द्वीप पर छापे मारे।
- 1945 संयुक्त राज्य अमेरिका की सेना ने रॉकेटन्कोलॉजी के विकास में मदद करने के लिए जर्मनविज्ञानी और इंजीनियरों को खाली करने की योजना बनाई।
- 1958 सीलोन में जातीय दंगे भड़क उठे, जिनमें ज्यादातर श्रीलंकाई तमिलों की निशाना बनाया गया, जिसके परिणामस्वरूप अगले दिनों में 300 से अधिक मौतें हुईं।
- 1960 9.5 तीव्रता वाले भूकंप ने वल्टिदुविया, चिली में विनाशकारी विनाशकारी सूनामी सुनाई जो अगले दिन हवाई तक पहुंच गई।

देर रात तक जागने और खराब डाइट से किडनी को होता है बहुत अधिक नुकसान

आज कल की जीवनशैली में लोगों के दिनचर्या में पहले कि अपेक्षा काफी बदलाव आया है। चाहे वो मोबाइल का अधिक इस्तमाल, रात में देर तक जागना, बाहर का खान पान, आम आदत बनती जा रही है। इस प्रकार की आधुनिक जीवन शैली से हमारे किडनी के फंक्शन पर बुरा असर पड़ रहा है, हालांकि लोग इसके संकेतों पर ध्यान नहीं दे पाते और लंबे समय तक इस प्रकार की यदि समस्या बनी रहती है तो यह गंभीर स्थिति बन सकती है। ऐसे में गोरखपुर में स्थित रीजेंसी हॉस्पिटल में नेफ्रोलॉजी और कंसल्टेंट डॉ. अर्पित श्रीवास्तव, विस्तार से इसका कारण, इस समस्या से बचाव के बारे में बता रहे हैं।

देर रात तक जागना है खतरनाक

पर्याप्त नींद न लेने और लगातार लेट नाइट रूटीन रहने से शरीर का हार्मोनल संतुलन और बाँड़ी क्लॉक प्रभावित हो सकती है, जिससे ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर और वजन पर असर



पड़ने का खतरा बढ़ जाता है। लंबे समय तक हाई बीपी, डायबिटीज और मोटापा रहने पर किडनी रोग का जोखिम भी बढ़ सकता है। इसलिए नियमित और पर्याप्त नींद को ओवरऑल किडनी हेल्थ के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है।

प्रोसेस और जंक फूड बढ़ा रहे जोखिम

आजकल युवाओं में फास्ट फूड, इंस्टेंट स्नैक्स, पैकेज्ड ड्रिंक्स और ज्यादा नमक वाले खाद्य पदार्थों का सेवन तेजी से बढ़ा है। इन चीजों में सोडियम, प्रिजर्वेटिव और अनहेल्दी फैट

अधिक मात्रा में होते हैं। ज्यादा नमक किडनी पर अतिरिक्त दबाव डालता है और ब्लड प्रेशर बढ़ा सकता है। इसके अलावा सॉफ्ट ड्रिंक्स और मीठे पेय पदार्थों का अधिक सेवन शरीर में शुगर और कैलोरी बढ़ाता है, जिससे मोटापा और मेटाबॉलिक समस्याएं पैदा हो सकती हैं। लंबे समय तक ऐसी डाइट किडनी की फिल्टरिंग क्षमता को प्रभावित कर सकती है।

पानी कम पीना भी बड़ी वजह डॉक्टरों के अनुसार शरीर में पानी की कमी होने पर किडनी

पर अतिरिक्त दबाव पड़ सकता है और यूरिन अधिक गाढ़ा हो सकता है, जिससे कुछ लोगों में स्टोन या यूरिन इंफेक्शन जैसी समस्याओं का खतरा बढ़ सकता है। गर्मियों में शरीर से पसीने के जरिए पानी ज्यादा निकलता है, इसलिए पर्याप्त हाइड्रेशन बनाए रखना जरूरी माना जाता है। हालांकि पानी की सही मात्रा हर व्यक्ति के लिए अलग हो सकती है और यह उम्र, मौसम, शारीरिक गतिविधि व स्वास्थ्य स्थिति पर निर्भर करती है।

लाइफस्टाइल में करें छोटे बड़े बदलाव

लाइफस्टाइल में छोटे बदलाव अपनाकर किडनी की बीमारियों के खतरे को काफी हद तक कम किया जा सकता है। संतुलित खानपान, पर्याप्त नींद, नियमित एक्सरसाइज और पर्याप्त पानी पीने जैसी आदतें किडनी को लंबे समय तक स्वस्थ रखने में मदद कर सकती हैं। इसके अलावा जंक फूड और ज्यादा नमक वाले खाद्य पदार्थों को सीमित करना भी जरूरी है।

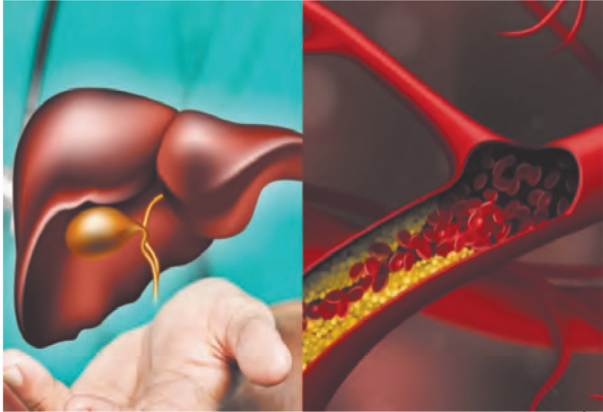
विविध

फैटी लिवर और हाई कोलेस्ट्रॉल साथ होने पर क्या करें क्या खाएं और किन चीजों से बचें, आयुर्वेदिक दवा क्या हैं?

शरीर में बढ़ रही बीमारियों का बड़ा कारण खराब लाइफस्टाइल और डाइट है। इससे डायबिटीज, फैटी लिवर और हाई कोलेस्ट्रॉल की समस्या तेजी से बढ़ रही है। कई बार लोगों को फैटी लिवर और हाई कोलेस्ट्रॉल दोनों साथ में होते हैं। ये सुनने में भले ही अलग-अलग बीमारी लगें, लेकिन दोनों आपस में जुड़ी हुई हैं। ये आपके खराब मेटाबॉलिज्म की ओर संकेत है। लिवर शरीर का फिल्टर है जो केमिकल और खराब फैट को बाहर निकालता है। लेकिन जब लिवर में फैट बढ़ जाता है तो ये खून में गंदे कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाने लगता है। इसके लिए सिर्फ फैट मसालेदार खाना छोड़ने से कुछ नहीं होगा। बल्कि आपको हेल्दी डाइट और कुछ आयुर्वेदिक दवाएं साथ में अपनानी होंगी। आयुर्वेदिक डॉक्टर चंचल शर्मा ने बताया कि आपको अपने मेटाबॉलिज्म को तेज करने पर काम करना होगा। जिससे लिवर का काम बेहतर हो सके।

फैटी लिवर और हाई कोलेस्ट्रॉल में क्या खाएं?

ऐसे लोगों को खाने में साबुत अनाज, पुराना चावल, जौ,



ओट्स, ज्वार, रागी की रोटियां खानी चाहिए। सब्जियों में आपको हरी सब्जियां जैसे करेला, लौकी, तरोई, पालक, परवल को कम तेल में पकाकर खाना चाहिए। फलों में आपको पपीता, सेब, नाशपाती, जामुन, अमरुद, कीवी खाना चाहिए। फैट बहुत कम मात्रा में शुद्ध देसी गाय का घी और बिना पकाए यानि ऊपर से ऑलिव ऑयल खा लें। पीने में गुनगुना पानी, धनिया का पानी, नींबू पानी, पतली ताजा मसाला छाछ पीएं।

फैटी लिवर और हाई कोलेस्ट्रॉल में क्या नहीं खाएं?

आपको बाहर का खाना, मैदा, नया सफेद चावल, वाइट ब्रेड, पैकेटबंद नूडल्स खाने से परहेज

नींबू पानी एसिडिटी की समस्या से छुटकारा दिलाता है या नहीं?

आजकल सुबह सुबह खाली पेट नींबू पानी बहुत आम चलन हो गया है। हर दूसरा व्यक्ति सुबह उठने के बाद नींबू पानी पीता है। बहुत से लोग इसे वेट लॉस में कारगर मानते हैं। वहीं कुछ लोगों का ये भी मानना है कि सुबह खाली पेट नींबू पानी पीने से एसिडिटी की समस्या से छुटकारा मिल सकता है। लेकिन ये हर किसी पर लागू नहीं होता क्योंकि हर व्यक्ति की पाचन शक्ति अलग होती है। ऐसे में बड़ा सवाल ये उठता है कि नींबू पानी एसिडिटी की समस्या से छुटकारा दिलाने में सहायक है या नहीं। चलिए जानते हैं।

नींबू पानी काग कैसे करता है? अल्केलाइजिंग प्रभाव: नींबू का रस बाहर भले ही एसिडिक हो, लेकिन जब यह हमारे शरीर के अंदर जाकर पचता है, तो इसके बायप्रोडक्ट्स अल्केलाइन हो जाते हैं। यह पेट के बड़े हुए



एसिड को बेअसर करने में मदद करता है। नींबू पानी पीने से लीवर अधिक मात्रा में पित्त बनाता है, जो पाचन को दुरुस्त करता है और भोजन के बाद होने वाली गैस व एसिडिटी से छुटकारा दिलाता है।

नींबू पानी कब नुकसान पहुंचा सकता है?

हर किसी का शरीर अलग होता

है। कुछ स्थितियों में नींबू पानी एसिडिटी को कम करने के बजाय बढ़ा भी सकता है। अगर आपको पहले से ही गंभीर एसिडिटी या पेट में अल्सर है, तो सुबह खाली पेट बिना पानी मिलाए या बहुत कम पानी में नींबू का रस पीने से खाने की नली में जलन बढ़ सकती है। वहीं जिन लोगों को एसिड

खण्डित सौन्दर्य की लूट

ये मूर्ति मेट्रोपॉलिटन म्यूजियम न्यूयार्क में थी। लूटी हुई वस्तुओं की श्रेणी में, माने यह मूर्ति चोरी होकर के गई थी। अब भारत को लौटाई गई है।

इस मूर्ति के मुख को जूम करके देखिए। होंठों के कोर, चिबुक, गालों के भराव के नीचे की ओर गहराती मुस्कान अपनी संपूर्णता में है परंतु इन्हें विरूपित करने वाले की मानसिकी और मनोवैज्ञानिकी क्या रही होगी? मूर्तिपूजा का विरोध इसे विरूपित करने का कारण नहीं हो सकता है क्योंकि कोई इस मूर्ति की पूजा नहीं कर रहा था। यह एक कलाकृति थी।

आज भी मनुष्यता की विरासत का एक टुकड़ा है। मूर्तिपूजा-विरोध एक सुविधाजनक आख्यान है। इतिहास में जब तब भी किसी ने कला को, प्रतिमाओं को, ग्रंथों को नष्ट किया है, उसने सदैव कोई न कोई धार्मिक, राजनीतिक या वैचारिक आवरण ओढ़ा है। उदाहरण के लिए बाभियान की बुद्ध-प्रतिमाएँ, अलेक्जेंड्रिया का पुस्तकालय, नालंद्रा का विश्वविद्यालय, लाइब्रेरी ऑफ कॉन्स्टेंटिनोपल - इन सबके विनाश में विचारधाराएँ तो थीं ही लेकिन विचारधाराओं के परत के नीचे कुछ और था। मलबे के नीचे लावे की पसरती आग सा।

मिशल फुको ने ’’पावर/नॉलेज’’ में कहा था कि ज्ञान और शक्ति अविभाज्य हैं। जो ज्ञान को नियंत्रित करता है, वही शक्ति को भी नियंत्रित करता है। कला भी एक प्रकार का ज्ञान है। कला की अपनी भाषा है। कला

बिन शब्दों, बिन बोल बताती है कि किसी काल में मनुष्य क्या था, क्या सोचता था, किसे दिव्य

आक्रमणकारी सैनिक? कोई एक धार्मिक उन्माद में डुबा हुआ ? एक उपेक्षित, अपमानित, हाशिये



मानता था, कैसे देखता था।

इस मूर्ति की मुस्कान एक प्रकार का ज्ञान है। अज्ञानियों के लिए ज्ञान डरावना होता है उनके लिए जो भय सृजन कर जीवन को नियंत्रित करना चाहते हैं। इस

डरावनेपन शब्द को लेकर यहाँ एक प्रश्न भी उभरता है कि क्या इस मूर्ति के काटने वाले के हाथ-पैर किसी ने काट दिये थे। या वह किसी अन्य गहन विकलांगता से ग्रसित था ? इस मूर्ति के अंग भंग करने वाला वह कौन था? एक

जब किसी ने इस मूर्ति का अंगभंग किया - उसने किसका विरोध किया? किस सत्ता से लड़ा? किस भय को जीता? प्रायः ने कहा था कि विनाश एक आनंद है - डेथ ड्राइव या मृत्युवृत्ति। मनुष्य में सृजन की जितनी गहरी इच्छा है, उतनी ही गहरी, शायद उससे भी गहरी विध्वंस की इच्छा है। जो बना हो उसे मिटाया, जो पूर्ण हो उसे खंडित करना, जो सुंदर हो उसे विकृत करना। यह केवल क्रोध नहीं, यह एक प्रकार की आदिम ’’में हैं’’ शक्ति का प्रमाण है।

इस मूर्ति की मुस्कान कह रही है कि सौन्दर्य अजेय है। वह मुस्कान कह रही है कि जो एक बार सच्चे मन से बना, वह मिटाया नहीं जा सकता - न पथर से, न स्मृति से, न इतिहास से। वह मुस्कान कह रही है कि विनाश की प्रतिक्रिया विनाश नहीं है। वह करुणा है, वह सृजन है, वह उस सौन्दर्य को याद रखना है। और वह मुस्कान कह रही है - बड़े धैर्य से, बड़े शांत भाव से कि जो अंग काटने आया था, वह चला गया। लेकिन यह मुस्कान यहाँ है। यहाँ। अभी। आपके और मेरे सामने। ऐसी प्रतिमा लौटे तो लगता है हमारी मुस्कान, हमारा सौंदर्य का अंश लौटे आया है।

जब कोई चीज जो छीनी गई थी, लौटती है तो वह केवल एक वस्तु नहीं लौटती। एक गरिमा लौटती है। एक स्मृति लौटती है। एक ऐसा अधूरापन भरता है जिसका नाम भी हमें ठीक से नहीं पता था।

मनोज कुमार श्रीवास्तव



हमारे पेट के एंजाइम अधिक सक्रिय होते हैं। यह आंतों में

मौजूद हानिकारक बैक्टीरिया को खत्म करता है और गुड बैक्टीरिया

को बढ़ावा देता है। इससे गैस, एसिडिटी, कब्ज और पेट में ऐंठन जैसी समस्याओं से राहत मिलती है। लहसुन में मौजूद सल्फर कंपाउंड्स शरीर के टॉक्सिन्स को बाहर निकालने में मदद करते हैं। सुबह खाली पेट इसके सेवन से लिवर की कार्यक्षमता बढ़ती है और खून साफ होता है, जिसका सीधा असर आपकी त्वचा पर दिखता है।

डायबिटीज के मरीजों के लिए बासी मुंह कच्चा लहसुन खाना बेहद फायदेमंद हो सकता है। यह शरीर में इंसुलिन की मात्रा को संतुलित करने में मदद करता है, जिससे ब्लड शुगर का लेवल अचानक से नहीं बढ़ता।

अहा! मेरी जान चाय ! तो हो जाय, एक कप चाय !

डॉ घनश्याम बादल

कोई खुशी का अवसर है- “चलो चाय पीते हैं”, तनाव बढ़ गया है- “चलो चाय पीते हैं” काम में बहुत बिजी हैं- “चलो चाय तो पी ही लेंते हैं” और खाली बैठे हैं तो क्या करें - “एक कप चाय हो जाए!”। आपस में बात करने का बहाना ढूंढना हो तो फिर एक कप चाय पर जाएए या किसी को बुलाएं, इससे बेहतर विकल्प शायद ही मिले। तो कह सकते हैं कि चाय का हम भारतीयों के जीवन में बड़ा महत्व है और आज यानी 21 मई को जब सारी दुनिया मना रही है चाय दिवस तो जानते हैं चाय के उद्भव, विकास और जीवन के हर पहलू में घुस जाने की रोचक गाथा।

21 मई केवल एक पेय पदार्थ के सम्मान का दिन नहीं, बल्कि उन करोड़ों लोगों के श्रम, संस्कृति और जीवनशैली का उत्सव भी है जिनके जीवन में चाय गहराई से रची-बसी है। आज चाय केवल एक पेय नहीं रही, बल्कि यह सामाजिक संवाद, आत्मीयता, अतिथि-सत्कार और दिनचर्या का हिस्सा बन चुकी है। भारत सहित दुनिया के अनेक देशों में सुबह की शुरुआत चाय से होती है और दिनभर की थकान भी एक प्याली चाय दूर कर देती है।

चाय का इतिहास और उत्पत्ति

चाय का इतिहास लगभग पाँच हजार वर्ष पुराना है। इसकी खोज चीन में 2737 ईसा पूर्व हुई। कहते हैं कि चीन के सम्राट शन नुंग के सामने उबलते पानी में कुछ पत्तियाँ गिर गईं, जिससे पानी का रंग और स्वाद बदल गया। सम्राट को यह पेय इतना पसंद आया कि धीरे-धीरे इसका उपयोग बढ़ने लगा बाद में यह पत्तियों के पानी से ‘चा’ और ‘ते’ के नाम से जानी गई। कथा इसे बोधिस्तव की आंखों की पलकों से भी जोड़ती है।

बाद में यही चाय चीन से जापान, कोरिया होती हुई यूरोप तक पहुँची। 17वीं शताब्दी में अंग्रेज व्यापारियों ने चाय को ‘टी’ बनाकर यूरोप में

लोकप्रिय बनाया। अरबी में यह ‘शाय’ कहलाई तो पंजाबी में ‘चाह’ तमिल में ‘थेनीर कन्नड़ में ‘चाहा’ बन गई। कुल मिलाकर अलग-अलग नाम से दुनिया भर में चाय ने आज धूम मचा रखी है।

21 मई चाय दिवस पर विशेष



भारत में अंग्रेजों ने असम और दार्जिलिंग के क्षेत्रों में चाय के बागान स्थापित कर भारत को चाय प्रेमी और प्रमुख उत्पादक देश बना दिया। आज भारत, चीन, श्रीलंका और केन्या विश्व के बड़े चाय उत्पादक देश हैं। भारत की असम, दार्जिलिंग और नीलगिरि चाय विश्वभर में अपनी विशेष सुगंध और स्वाद के लिए प्रसिद्ध है।

चाय का प्रसार और लोकप्रियता धीरे-धीरेचाय लोगों की संस्कृति और जीवनशैली का हिस्सा बनती चली गई। भारत में रेलवे स्टेशनों, बस अड्डों, कार्यालयों, खेतों और घरों में चाय हर जगह दिखाई देती है। “चाय पर चर्चा” केवल एक कहावत नहीं, बल्कि भारतीय सामाजिक जीवन की सच्चाई है।गाँवों में मेहमानों के स्वागत से लेकर शहरों में कार्यालयी बैठकों तक, चाय आत्मीयता का प्रतीक बन चुकी है। छोटे दुकानदारों से लेकर बड़े उद्योगपतियों तक, हर वर्ग के लोग चाय से जड़े हैं। लाखों मजदर,

किसान और छोटे व्यापारी चाय उद्योग से रोजगार प्राप्त करते हैं। जहाँ भारत में शक्कर, दूध व पानी के मिश्रण से बनी चाय सबसे प्रसिद्ध है वहीं काली चाय, हरी चाय, हर्बल चाय, मसाला चाय, लेमन टी आदि

स्वागत में चाय देना सम्मान और आत्मीयता का प्रतीक माना जाता है।

चाय के लाभ

चाय केवल स्वाद ही नहीं देती, बल्कि सीमित मात्रा में इसका सेवन स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी माना जाता है।चाय में कैफीन की मात्रा होती है जो शरीर और मस्तिष्क को सक्रिय बनाती है। इससे थकान कम होती है और व्यक्ति तरोताजा महसूस करता है। चाय पीने से ध्यान केंद्रित करने की क्षमता बढ़ती है। विद्यार्थी और कामकाजी लोग अक्सर मानसिक सतर्कता बनाए रखने के लिए चाय का सेवन करते हैं।

ग्रीन टी में एंटीऑक्सीडेंट तत्व पाए जाते हैं जो शरीर को कई रोगों से बचाने में सहायक माने जाते हैं। अदरक, इलायची और तुलसी वाली चाय पाचन को बेहतर बनाने तथा सर्दी-जुकाम में राहत देने में उपयोगी मानी जाती है।

चाय की हानियाँ

जहाँ संतुलित मात्रा में चाय लाभदायक हो सकती है, वहीं अत्यधिक सेवन नुकसान भी पहुँचा सकता है। अधिक चाय पीने से नींद प्रभावित हो सकती है क्योंकि इसमें कैफीन होता है। खाली पेट या अत्यधिक चाय पीने से एसिडिटी और गैस की समस्या उत्पन्न हो सकती है। ज्यादा चाय पीने की आदत व्यक्ति को इसकी एडिक्ट बना सकती है। कई लोगों को बार-बार चाय न मिलने पर सिरदर्द या चिड़चिड़ापन महसूस होता है। भारत में अधिकतर लोग मीठी चाय पीते हैं।

ज्यादा चीनी स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है और मधुमेह जैसी समस्याओं का कारण बन सकती है।अत्यधिक चाय शरीर में आयरन के अवशोषण को प्रभावित कर सकती है, जिससे कमजोरी या एनीमिया की समस्या बढ़ सकती है। इसलिए बेहतर हो कि चाय का सेवन संतुलित मात्रा में किया जाए। हर्बल और कम चीनी वाली चाय की ओर लोगों का झुकाव बढ़ रहा है, जो स्वास्थ्य के प्रति बढ़ती जागरूकता को दर्शाता है।

मोदी जी ने न जिम्मेदारी ली, न धर्मद प्रधान को हटाया: राहुल

नईदिल्ली। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने नीट यूजी पेपर लीक मामले में एक बार फिर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। राहुल गांधी ने राजस्थान में हुए विरोध प्रदर्शन के बाद पीएम मोदी पर निशाना साधते हुए लिखा, नीट पेपर लीक ने लाखों छात्रों का भाविष्य बर्बाद कर दिया। कई बच्चों ने तो अपनी जान तक गंवा दी। मोदी जी ने न जिम्मेदारी ली, न धर्मद प्रधान को हटाया। लगातार नीट पेपर लीक का मामला उठा रहे राहुल गांधी ने गुरुवार को एक्स पर लिखा, जब मोदी जी इटली में टॉफी खिलाते हुए रीलस बना रहे थे, पेपर लीक से त्रस्त भारत के युवा सड़कों पर न्याय मांग रहे थे। क्योंकि नीट पेपर लीक ने लाखों छात्रों का भविष्य बर्बाद कर दिया। कई बच्चों ने तो अपनी जान तक गंवा दी और मोदी जी ने न जिम्मेदारी ली, न धर्मद प्रधान को हटाया, न एक शब्द कहा राहुल गांधी ने आगे लिखा, अब जब छात्र,पनएसयूआई और कांग्रेस के कार्यकर्ता न्याय की आवाज उठा रहे हैं।

तमिलनाडु के सीएम विजय को हाईकोर्ट का नोटिस

चेन्नई। तमिलनाडु से एक बड़ी और चौंकाने वाली खबर सामने आई है। मद्रास उच्च न्यायालय ने राज्य के नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री और तमिलगना वेत्री कक्षगम के संस्थापक सी जोसेफ विजय को नोटिस जारी किया है। यह कार्रवाई तमिलनाडु विधानसभा चुनावों के दौरान मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए बच्चों के कथित दुरुपयोग और अन्य भ्रष्ट चुनावी तौर-तरीकों के मामले में की गई है। कोर्ट ने चुनाव आयोग को इस पूरे मामले की जांच करने के निर्देश देने की मांग वाली याचिका पर यह कदम उठाया है न्यायमूर्ति जी आर स्वामीनाथन और न्यायमूर्ति वी लक्ष्मणन की अवकाशकालीन पीठ ने इस जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए मामले को बेहद गंभीर माना है। अदालत ने न केवल मुख्यमंत्री विजय, बल्कि निर्वाचन आयोग, तमिलनाडु के मुख्य चुनावी अधिकारी, द्रमुक अध्यक्ष एम के स्टालिन और अन्नाद्रमुक के महासचिव एडप्पादी के पत्तानीस्वामी को भी औपचारिक नोटिस थमाया है।

मोदी के विजन में बना स्पोर्ट्स का ईको सिस्टम : योगी

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन के अनुरूप देश और देश की सबसे बड़ी आबादी वाले राज्य उत्तर प्रदेश में पिछले 11-12 वर्षों में स्पोर्ट्स का शानदार ईको सिस्टम विकसित हुआ है।योगी ने गुरुवार को गोरखपुर के रामगढ़ताल में रोड़ंग फेडरेशन आफ इंडिया की तरफ से आयोजित 46वीं जुनियर नेशनल रोड़ंग चॉंपियनशिप के समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में देश और प्रदेश में स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर का तेजी से विकास हुआ है तो खिलाड़ियों के प्रशिक्षण और प्रोत्साहन के लिए सरकार हर कदम तत्परता से खड़ी है। स्पोर्ट्स के क्षेत्र में विकसित हुए बेहतरीन ईको सिस्टम का ही परिणाम रामगढ़ झील भी है। 2017 के पहले जो रामगढ़ताल गंदगी और अपराध का गढ़ था, वहां आज रोड़ंग की राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के साथ एशियाड की तैयारी के लिए राष्ट्रीय महिला टीम की प्रशिक्षण शिविर का भी आयोजन संभव हुआ है।

कैलाश मानसरोवर यात्रा 2026ः श्रद्धालुओं की लिस्ट हुई जारी

नई दिल्ली। कैलाश मानसरोवर यात्रा 2026 पर जाने की तैयारी कर रहे श्रद्धालुओं के लिए बड़ी खबर सामने आई है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कं्यूटर ड्रा के माध्यम से इस वर्ष यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालुओं की अंतिम सूची जारी कर दी है। यात्रियों का चयन पूरी तरह कं्यूटर-जनरेटेड रैंडम प्रक्रिया से किया गया है, जिसमें महिला और पुरुष श्रद्धालुओं की बराबर भागीदारी का भी विशेष ध्यान रखा गया है। इस वर्ष कुल 1,000 श्रद्धालुओं का चयन किया गया है। यात्रा जून 2026 से शुरू होकर अगस्त तक चलेगी। चुने गए यात्रियों को 20 अलग-अलग बैचों में भेजा जाएगा और प्रत्येक बैच में 50 श्रद्धालु शामिल होंगे। यात्रा से जुड़ी सभी जानकारी और बैच डिटेल आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध करा दी गई है।इस बार यात्रा के लिए दो प्रमुख रूट तय किए गए ह- लिपुलेख दर्रा और नाथू ला दर्रा। सबसे बड़ी राहत की बात यह है कि दोनों मार्ग अब पूरी तरह मोटेबल हो चुके हैं। यानी श्रद्धालुओं को पहले की तरह कठिन पैदल ट्रेकिंग नहीं करनी पड़ेगी और ज्यादातर सफर वाहन के जरिए पूरा किया जा सकेगा।

एअर इंडिया की दिल्ली-बेंगलुरु फ्लाइट रनवे से टकराई

नई दिल्ली। एअर इंडिया की दिल्ली से बेंगलुरु जा रही फ्लाइट गुरुवार को केंपेगौड़ा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर लैंडिंग के दौरान एक बड़े हादसे का शिकार होने से बची, जब उसका पिछला हिस्सा रनवे से टकरा गया। घटना को विमानन भाषा में टेल स्ट्राइक कहते हैं। हालांकि, फ्लाइट को सुरक्षित तरीके से उतारा गया और विमान में सवार सभी 181 यात्री और क्रू मेंबर्स सुरक्षित हैं। किसी के भी घायल होने की कोई सूचना नहीं है। घटना की तस्वीरें सोशल मीडिया पर सामने आई हैं, जिसमें विमान के पिछले हिस्से पर खरोंच के निशान साफ दिख सकते हैं। सूत्रों के अनुसार, यह हादसा लैंडिंग से ठीक पहले हुआ जब विमान वेक टर्बुलेंस की चपेट में आ गया। बताया जा रहा है कि यह वेक टर्बुलेंस पास में ही उड़ान भर रहे एक वाइड-बॉडी विमान के कारण उत्पन्न हुई थी, जिससे एअर इंडिया फ्लाइट का संतुलन बिगड़ गया लेकिन पायलट को संभावित खतरे का अंदेशा होने पर नियमों के तहत गो-अराउंड करने का फैसला किया। गो-अराउंड का मतलब है कि पायलट लैंडिंग टालकर विमान को वापस हवा में ले जाता है, ताकि स्थिति सामान्य होने पर सुरक्षित लैंडिंग का दूसरा प्रयास हो सके।

राहुल गांधी की भाषा पर पीयूष गोयल का पलटवार

बोले- यह उनकी हताशा को दिखाती है

नईदिल्ली। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को विपक्ष के नेता राहुल गांधी की आलोचना करते हुए कहा कि वैश्विक समुदाय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भरोसा करता है, जबकि गांधी अपने बयानों में लगातार नकारात्मक मानसिकता व्यक्त कर रहे हैं। मीडिया से बात करते हुए गोयल ने कहा कि राहुल गांधी के भाषणों और बयानों में उनकी हताशा झलकती है और जनता ने उन्हें बार-बार नकार दिया है। उन्होंने कहा कि एक तरफ तो पूरी दुनिया भारत और प्रधानमंत्री को बड़े भरोसे की नजर से देखती है। दूसरी तरफ, नकारात्मक सोच वाले राहुल गांधी अपने बयानों और भाषणों में बार-बार अपना यही स्वभाव और चरित्र दिखा रहे हैं।

गोयल ने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता ने कांग्रेसियों के खिलाफ अपशब्दों का इस्तेमाल किया। गोयल ने कहा कि यह अलग बात है कि भारत की जनता उन्हें एक के बाद एक नकार रही है, उनकी हताशा और खुद से पैदा हुई भावनाएं, और जिस तरह से उन्होंने अपशब्दों और प्रधानमंत्री के खिलाफ अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया है, वह साफ दिखता है। राहुल गांधी द्वारा राजनीतिक हमलों में गहरी शब्द के प्रयोग पर सवाल उठाते हुए मंत्री ने कांग्रेस पार्टी पर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि क्या नक्सलवाद का खात्मा करना गवर्नी है? या कांग्रेस शासन में वर्षों तक नक्सलवाद को पनपने देना गवहरी है? कांग्रेस पार्टी और गांधी परिवार जिस तरह से घुसपैठियों का समर्थन करते



हैं, वह गवहरी है।

उन्होंने आतंकवाद और राष्ट्रीय सुरक्षा के मामलों की तुलना करते हुए पूछा कि क्या आतंकवाद विरोधी कड़े कदमों की आलोचना की जानी चाहिए? गोयल ने सवाल किया कि क्या वैश्विक मंच पर भारतीय ध्वज का सम्मान करना राजद्रोह है, या विदेश में भारतीय ध्वज का अपमान करना गवहरी है? क्या आतंकवाद की कमर तोड़ना, आतंकवाद को मुंहतोड़ जवाब देना गवहरी है? या आतंकवादियों को बिरयानी खिलाना, या आतंकवादियों से समझौता करना गवहरी है?

गोयल ने राहुल गांधी की भाषा को कमजोरी का प्रतीक बताते हुए कहा कि यह स्पष्ट है कि राहुल गांधी जिस शब्दावली का इस्तेमाल करते हैं, उसे अंग्रेजी में 'गालियां कमजोरों का हथियार होती हैं' कहा जाता है। उन्होंने आगे कहा कि यह स्पष्ट है कि देश अब राहुल गांधी की कमजोरियों, गांधी परिवार और कांग्रेस पार्टी की विफलताओं, प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था और वैश्विक मंच पर भारत की प्रतिष्ठा को देख रहा है।

गोयल ने प्रधानमंत्री मोदी की

हालिया पांच देशों की यात्रा को भारत की वैश्विक पहचान और आर्थिक कृतनीति के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा के दौरान, भारत पांच दिनों में पांच देशों में सुर्खियों में रहा इन देशों में भारतीय मूल के लोगों ने उनका सम्मान किया। इससे यह स्पष्ट संदेश मिला कि भारत विश्व मंच पर बहुत मजबूती से खड़ा है। दुनिया भारत को सम्मान की नजर से देखती है। आज पूरी दुनिया प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व को सम्मान और आदर की नजर से देखती है।

उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री ने निवेश, व्यापार, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेमीकंडक्टर, रक्षा सहयोग और ऊर्जा साझेदारी को बढ़ावा देने के लिए 50 से अधिक वैश्विक कंपनियों के सीईओ के साथ बैठकें कीं। ये टिप्पणियां राहुल गांधी द्वारा हाल ही में सरकार की आलोचना के बाद चल रही राजनीतिक उठापटक के बीच आईं। कांग्रेस नेता ने वैश्विक तनावों के कारण आर्थिक तृफान की चेतावनी दी और प्रधानमंत्री को विदेश नीति और आर्थिक जोखिमों के प्रबंधन पर सवाल उठाए। गांधी ने प्रधानमंत्री की पांच देशों की यात्रा की भी आलोचना की, जिसमें रोम में हुई मुलाकात के दौरान पीएम मोदी द्वारा इतालवी प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनो की मेलोडी टॉफियों का पैकेट भेंट करने का चर्चित मेलोडी मोमेंट भी शामिल है।

पीएम मोदी का अपमान जनता माफ नहीं करेगी : शिवराज सिंह चौहान

नईदिल्ली। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने गुरुवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ की गई टिप्पणियों की आलोचना करते हुए कहा कि ऐसी भाषा घटिया मानसिकता को दर्शाती है और जनता इसे माफ नहीं करेगी। हैदराबाद में बोलते हुए चौहान ने कहा कि यह घटिया मानसिकता का संकेत है जिसे पूरी दुनिया सम्मानित कर रही है और कई देशों से सर्वोच्च सम्मान प्राप्त हुआ है।

उन्होंने कहा कि यह घटिया मानसिकता का संकेत है। भारत के प्रधानमंत्री, जिन्हें पूरी दुनिया सम्मानित कर रही है और जिन्हें कई देशों से सर्वोच्च सम्मान प्राप्त हुए हैं, उनके खिलाफ अपमानजनक भाषा का प्रयोग करने के लिए जनता उन्हें कभी माफ नहीं करेगी। राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता हो सकती है, लेकिन ऐसी भाषा का प्रयोग कभी नहीं किया जाना चाहिए। पूरी दुनिया उनके नेतृत्व की प्रशंसा कर रही है और देश उनके साथ खड़ा है।

इस बीच, तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष एन रामचंद्र राव ने भी कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उनके इतालवी समकक्ष जॉर्जिया मेलोनो को दिए गए उपहार को लेकर की गई आलोचना के लिए निशाना साधा। हैदराबाद में बोलते हुए, भाजपा के वरिष्ठ नेता ने प्रधानमंत्री के इस कदम का बचाव करते हुए उपहारों के आदान-प्रदान को राजनयिक संबंधों में एक सामान्य प्रक्रिया बताया। राव ने कहा कि राजनयिक संबंधों में उपहारों का आदान-प्रदान एक सामान्य प्रक्रिया है। मुझे नहीं पता कि राहुल गांधी को इटली के प्रधानमंत्री को टॉफी भेंट करने में विवाद क्यों दिख रहा है।

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को याद रखना चाहिए कि प्रधानमंत्री मोदी राजनयिक और व्यापारिक संबंधों को बेहतर बनाने गए हैं। प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए उपहार का राजनीतिकरण करना राहुल गांधी की घोर गैरजिम्मेदाराना हरकत है। राव ने कांग्रेस नेता को ऐसी टिप्पणियों से बचने और अधिक रचनात्मक दृष्टिकोण अपनाने की सलाह दी। उन्होंने आगे कहा कि हम राहुल गांधी को एक जिम्मेदार विपक्ष की तरह व्यवहार करने की सलाह देते हैं।



स्टेल प्रमुख समाचार

भारतीय महिला हॉकी टीम ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए रवाना

नईदिल्ली। भारतीय महिला हॉकी टीम आगामी ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए रवाना हो गई है। कप्तान सलीमा टेटे की अगुआई में टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चार मुकाबले खेलेगी।

यह दौरा जून में होने वाले एफआईएच नेशंस कप 2026 की तैयारियों के लिहाज से बेहद अहम माना जा रहा है।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच मुकाबले 26, 27, 29 और 30 मई को पर्थ हॉकी स्टेडियम में खेले जाएंगे। दुनिया की मजबूत टीमों में शामिल ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ यह सीरीज भारतीय टीम के लिए बड़ी चुनौती साबित होगी।

ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद भारतीय टीम न्यूजीलैंड के ओकलैंड रवाना होगी, जहां 15 से 21 जून तक एफआईएच हॉकी विमेंस नेशंस कप 2026 खेला जाएगा। कप्तान सलीमा टेटे ने दौरे को टीम की तैयारी के लिए बेहद महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा, पूरी टीम इस दौरे को लेकर काफी उत्साहित है। ऑस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीम के खिलाफ उनके घर में खेलना हमेशा चुनौतीपूर्ण होता है और यही चुनौती हमें इस समय चाहिए।

सलीमा ने बताया कि टीम ने पिछले कुछ हफ्तों में कड़ा ट्रेनिंग कैंप किया, जिसमें फिटनेस, कॉम्बिनेशन और रणनीति पर काफी मेहनत की गई। हमने ट्रेनिंग कैंप में फिटनेस और टेक्निकल गेम पर काफी काम किया है। मुझे लगता है कि टीम अब बेहतर तालमेल के साथ मैदान पर उतरने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि पर्थ में होने वाले मुकाबले टीम को अपनी रणनीतियों को परखने का शानदार मौका देंगे। भारतीय कप्तान ने साफ कहा कि टीम का फोकस सिर्फ नेशंस कप तक सीमित नहीं है, बल्कि एशियन गेम्स और वर्ल्ड कप जैसी बड़ी प्रतियोगिताओं पर भी नजर है। हम नेशंस कप में आत्मविश्वास और अच्छी लय के साथ उतरना चाहते हैं।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/

प्रमुख समाचार

सेंसेक्स 134 अंक टूटा निफ्टी 23,655 पर बंद

नईदिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में गुरुवार को आईटी और एफएमसीजी शेयरों में दबाव के कारण गिरावट दर्ज की गई, जबकि वेस्ट एशिया की स्थिति पर ट्रेडर्स की नजर बनी रही। निफ्टी50 में दिन के अंत में 4.30 अंक या 0.02 प्रतिशत की गिरावट रही और यह 23,654.70 पर बंद हुआ। संसेक्स 135.03 अंक या 0.18 प्रतिशत गिरकर 75,183.36 पर बंद हुआ। निफ्टी50 में बजाज फाइनेंशियल, टेक महिंद्रा और हिंदुस्तान यूनिटीवर सबसे ज्यादा गिरने वाले शेयर रहे। ब्रॉड मार्केट में निफ्टी मिडकैप 0.04 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ, जबकि निफ्टी स्मॉलकैप 0.63 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुआ। सेक्टरवार बात करें तो निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी आईटी और निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज में सबसे ज्यादा गिरावट देखने को मिली। वहीं निफ्टी रियल्टी और निफ्टी सीमेंट ने बेहतर प्रदर्शन किया।

कतिलाल मांडोट

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा लोगों से एक वर्ष तक सोना न खरीदने की अपील ने देश में नई बहस छेड़ दी। आम लोगों के मन में स्वाभाविक प्रश्न उठा कि जब सरकार स्वयं लगातार सोना खरीद रही है, तब जनता से सोना न खरीदने की अपील क्यों की जा रही है। विपक्ष ने भी इसे मुद्दा बनाया और कहा कि सरकार जनता को त्याग का संदेश दे रही है, जबकि भारतीय रिजर्व बैंक अपने भंडार में यह विरोधाभास लगा रहा है। पहली नजर में आर्थिक दृष्टि से देखा जाए तो इसके पीछे गहरी रणनीति और गंभीर आर्थिक परिस्थितियां जुड़ी हुई हैं।

भारत में सोने का संबंध केवल निवेश से नहीं बल्कि सामाजिक परंपराओं, विवाह संस्कारों और सांस्कृतिक विश्वासों से भी जुड़ा हुआ है। सदियों से भारतीय परिवार सोने को

सुरक्षा, प्रतिष्ठा और भविष्य की गारंटी मानते आए हैं। संकट के समय घर का सोना ही सबसे बड़ा सहारा बनता है। यही कारण है कि जब भी आर्थिक अनिश्चितता बढ़ती है, लोग सोने की ओर आकर्षित होते हैं। वर्तमान समय में भी यही हो रहा है। अंतरराष्ट्रीय तनाव, डॉलर की अस्थिरता और वैश्विक आर्थिक संकटों के बीच सोने की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। ऐसे समय में सरकार और जनता दोनों ही सोने को सुरक्षित संपत्ति के रूप में देख रहे हैं, लेकिन दोनों के उद्देश्य अलग-अलग हैं।

भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा सोना खरीदने का उद्देश्य देश की आर्थिक सुरक्षा को मजबूत करना है। किसी भी देश का केंद्रीय बैंक अपने विदेशी मुद्रा भंडार को सुक्ष्म और संतुलित रखने के लिए डॉलर, यूरो, विदेशी बॉन्ड और सोने जैसी संपत्तियों में निवेश करता है। भारत के पास इस समय लगभग



880 टन से अधिक गोल्ड रिजर्व है, जो अब तक का सबसे बड़ा भंडार माना जा रहा है। पिछले कुछ वर्षों में ऋद्ध ने लगातार सोना खरीदा है और विदेशी तिजोरियों में रखा सोना वापस भारत लाने की प्रक्रिया भी तेज की है। यह केवल भारत नहीं कर रहा, बल्कि चीन, रूस, तुर्किये, पोलैंड और ब्राजील जैसे कई देश भी तेजी से सोना खरीद रहे हैं।

इसके पीछे सबसे बड़ा कारण अमेरिकी डॉलर पर घटना भरोसा है। दुनिया की अर्थव्यवस्था लंबे समय से डॉलर आधारित रही है। अंतरराष्ट्रीय व्यापार, तेल खरीद और

वैश्विक तनाव के बीच मालभाड़ा दरों में उछाल : टाटा स्टील

नईदिल्ली। पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और लंबे समय से जारी रूस-यूक्रेन युद्ध का असर अब भारतीय इस्पात उद्योग पर भी साफ दिखाई देने लगा है। बढ़ती वैश्विक शिपिंग लागत और कंपनियों के लिए बढ़ी चुनौती बनती जा रही है। टाटा स्टील के उपाध्यक्ष डीबी रामम ने कहा कि मालभाड़ा दरों में 28-30% तक की बढ़ोतरी हुई है, जिससे आयातित कच्चे माल की लागत काफी बढ़ गई है। उन्होंने बताया कि रूस-यूक्रेन संघर्ष और पश्चिम एशिया की अस्थिरता का असर वैश्विक सप्लाई चेन पर पड़ रहा है। खासकर आयातित कोकिंग कोयले पर निर्भर भारतीय स्टील कंपनियों की लॉजिस्टिक्स लागत तेजी से बढ़ी हैं। टाटा स्टील अपनी कोकिंग कोयले की जरूरत का करीब 78% हिस्सा आयात करती है, जो मुख्य रूप से ऑस्ट्रेलिया से आता है। बाकी 22% आपूर्ति पश्चिम बोकारो और झरिया को घरेलू खदानों से होती है।

महंगा तेल बिगाड़ सकता है भारत की ग्रोथ : गोपीनाथ

वाशिंगटन। मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव का असर अब वैश्विक अर्थव्यवस्था के साथ भारत पर भी दिखाई देने लगा है। बढ़ती कच्चे तेल की कीमतों ने ग्रोथ और आर्थिक विकास को लेकर चिंता बढ़ा दी है। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी की प्रोफेसर और पूर्व आईएमएफ डिप्टी मैनेजिंग डायरेक्टर गीता गोपीनाथ ने चेतावनी दी है कि अगर हालात और बिगड़ते हैं तो कच्चे तेल की कीमत 140 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच सकती है, जिससे पेट्रोल-डीजल और गैस के दामों में भारी बढ़ोतरी हो सकती है। उन्होंने कहा कि तेल, एलपीजी और एलएनजी की सप्लाई प्रभावित होने से आम लोगों और कारोबार दोनों पर दबाव बढ़ रहा है। कई रेटिंग एजेंसियों ने भी वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत की जीडीपी वृद्धि दर का अनुमान घटाया है।



नोटिस का पालन करने का निर्देश दिया। न्यायालय ने उन्हें न्यायालय की अनुमति के बिना विदेश यात्रा न करने का भी निर्देश दिया। डायमंड हार्बर से सांसद ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण से पहले 27 अप्रैल को एक सार्वजनिक सभा में प्रतिद्वंद्वी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं के खिलाफ अपनी टिप्पणियों को लेकर दर्ज एफआईआर को रद्द करने की मांग करते हुए उच्च न्यायालय में याचिका दायर की थी। बनर्जी द्वारा दिए गए गैरजिम्मेदाराना बयानों पर सवाल उठाते हुए, न्यायमूर्ति भट्टाचार्य ने आश्चर्य व्यक्त किया कि अगर टीएमसी चुनाव जीत जाती तो क्या होता। उन्होंने कहा कि इस राष्ट्रीय महासचिव बनर्जी को राज्य में चुनाव के बाद हिंसा का एक बेहद भयावह इतिहास रहा है।

न्यायाधीश ने आगे पूछा कि क्या जनसभा में बनर्जी की टिप्पणियां तृणमूल कांग्रेस के अखिल भारतीय महासचिव के पद के अनुरूप थीं। उन्हें 31 जुलाई तक दंडात्मक कार्रवाई से सुरक्षा प्रदान करते हुए, न्यायालय ने कहा कि वह इस मामले की सुनवाई 20 जुलाई को फिर से करेगा। पश्चिम बंगाल सरकार की ओर से पेश हुए अतिरिक्त महाधिवक्ता राजदीप मजूमदार ने बनर्जी की याचिका का विरोध किया, लेकिन कहा कि जांच कानून की उचित प्रक्रिया के अनुसार की जाएगी। इससे पहले, पश्चिम बंगाल पुलिस ने हाल ही में संघन विधानसभा चुनावों के दौरान कथित तौर पर भड़काऊ बयान देने के आरोप में टीएमसी सांसद अधिक के बनर्जी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी।

छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्रीज के जिला स्तरीय व्यापारी महाअधिवेशन का गरिमापूर्ण शुभारंभ

स्टेट कैपिटल रीजन में शामिल होना बड़ी उपलब्धि: डॉ. रमन सिंह

रायपुर। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि स्टेट कैपिटल रीजन में राजनांदगांव जिले को शामिल किया जाना इस क्षेत्र के समेकित और योजनाबद्ध विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है, इससे क्षेत्रीय प्रगति और व्यापार को एक नया आयाम मिलेगा। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने चेम्बर ऑफ कॉमर्स की टीम को बधाई देते हुए कहा कि किसी भी देश या राज्य को आगे बढ़ाने में अर्थव्यवस्था और उद्यमिता की सबसे बड़ी भूमिका होती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत आज विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह की अध्यक्षता में आज राजनांदगांव के एक निजी होटल में छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्रीज के जिला स्तरीय व्यापारी महाअधिवेशन का गरिमापूर्ण शुभारंभ हुआ। इस



कार्यक्रम में प्रदेश के वित्त मंत्री ओपी चौधरी विशेष अतिथि के रूप में शामिल हुए। राजनांदगांव के विकास को मिलेगी नई गति विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने वित्त मंत्री ओपी चौधरी की दृढ़ इच्छाशक्ति और कार्यक्षमता की सराहना की। उन्होंने कहा कि उनके नेतृत्व में प्रदेश की आर्थिक गतिविधियों को एक नई दिशा

मिली है। भविष्य की तकनीकों और नए अवसरों पर ध्यान दें व्यापारी वित्त मंत्री ने आर्थिक उदारीकरण और जीएसटी के फायदे को रेखांकित करते हुए कहा कि एक देश-एक कर व्यवस्था से व्यापारिक प्रक्रियाएं अधिक सरल और पारदर्शी हुई हैं। उन्होंने उद्यमियों से शासन की औद्योगिक नीति का लाभ उठाने और भविष्य के उभरते क्षेत्रों पर

ध्यान केंद्रित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हाइड्रोजन एनर्जी, बायोफ्यूल और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में निवेश की भविष्य में व्यापक संभावनाएं हैं। औद्योगिक सक्सेडी के लिए उद्योगों के लंबित लगभग 200 करोड़ रुपये की सक्सेडी के भुगतान हेतु सरकार ने 468 करोड़ रुपये का अतिरिक्त बजट उपलब्ध कराया

है। उद्योग आधारित रोजगार को बढ़ावा देने के लिए राज्य में रोजाब पार्कश की शुरुआत की गई है। व्यापारी-उद्यमी सम्मानित कार्यक्रम में समाज सेवा और व्यापार के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने के लिए नंदलाल राठी, टीकमदास साहू, हीना बेन रायचा, शेखर बोथरा, उज्जति पंजवानी और गुरबचन कौर सावलानी को व्यापारी-उद्यमी सम्मान से नवाजा गया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल के अध्यक्ष नीलू शर्मा, पूर्व सांसद अभिषेक सिंह, चेम्बर के प्रदेश अध्यक्ष सतीश थोरानी, समाजसेवी खूबचंद पारख, चेम्बर ऑफ कॉमर्स राजनांदगांव के अध्यक्ष कमलेश बैद, ज्ञानचंद बाफना और अरुण डुलानी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में पद्मश्री फूलबासन यादव सहित बड़ी संख्या में प्रदेश के प्रतिष्ठित व्यापारी, उद्योगपति एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

दूरस्थ गांवों के विद्यार्थियों तक पहुंचेगी डिजिटल शिक्षा की नई रोशनी



रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सुशासन तिहार के अंतर्गत कोरिया जिले के सोनहत विकासखंड के ग्राम कुशह में आयोजित चौपाल के दौरान नीति आयोग द्वारा वित्तपोषित 'मिशन कामयाबी' के तहत संचालित 'कामयाबी वेन' को हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया। इस पहल के माध्यम से दूरस्थ एवं ग्रामीण अंचलों के विद्यार्थियों तक आधुनिक डिजिटल शिक्षा और तकनीकी आधारित सीखने के अवसर पहुंचाए जाएंगे, जिससे

शिक्षा की गुणवत्ता और सीखने के अनुभव में सकारात्मक बदलाव आएगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर कहा कि प्रदेश सरकार का प्रयास है कि गांवों और दूरस्थ क्षेत्रों के बच्चों को भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और आधुनिक तकनीक का समान अवसर मिले। उन्होंने कहा कि आज का दौर ज्ञान, नवाचार और तकनीक का है, ऐसे में ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को भी डिजिटल संसाधनों और नई शिक्षण पद्धतियों से जोड़ना आवश्यक है,

ताकि वे भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार हो सकें। उल्लेखनीय है कि 'कामयाबी वेन' के माध्यम से विद्यार्थियों को वर्चुअल रियलिटी एवं ऑगमेंटेड रियलिटी तकनीक आधारित शिक्षण उपलब्ध कराया जाएगा। यह वेन विज्ञान, गणित, तकनीकी अवधारणाओं और अन्य विषयों को अधिक रोचक, अनुभववात्मक और व्यवहारिक तरीके से समझाने में सहायक होगी। इससे विद्यार्थियों की सीखने की क्षमता, तकनीकी जागरूकता तथा बोर्ड परीक्षाओं के परिणामों में सुधार आने की संभावना है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने विश्वास व्यक्त किया कि यह अभिनव पहल दूरस्थ गांवों के विद्यार्थियों के लिए नई संभावनाओं के द्वार खोलेगी तथा उन्हें विज्ञान, डिजिटल तकनीक और आधुनिक शिक्षा से सरल एवं प्रभावी ढंग से जोड़ने का माध्यम बनेगी।

जगदलपुर में शुरू हो रही है पहली आवासीय खेल अकादमी

रायपुर। छत्तीसगढ़ के प्रतिभावान खिलाड़ी बच्चों के सुनहरे भविष्य के लिए एक बेहद शानदार और ऐतिहासिक खबर है। राज्य शासन के खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा जिला बस्तर के जगदलपुर में बालक खिलाड़ियों के लिए पहली आवासीय खेल अकादमी प्रारंभ की जा रही है, जो इस संभाग में खेल विभाग द्वारा शुरू की जाने वाली अपनी तरह की पहली अन्तरी अकादमी होगी। इस नवनिर्मित अकादमी में 13 से 17 वर्ष के उदीयमान बालक खिलाड़ी रहकर उच्च स्तरीय और अत्याधुनिक आवासीय प्रशिक्षण प्राप्त कर सकेंगे।

इस महत्वाकांक्षी अकादमी में प्रवेश के लिए खेल विभाग आगामी 28 और 29 मई को दो दिवसीय राज्य स्तरीय चयन ट्रायल का महा-आयोजन करने जा रहा है, जिसमें प्रदेश भर के उभरते हुए खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन

कर सकेंगे। अकादमी में बस्तर सहित पूरे छत्तीसगढ़ के चुनिंदा खिलाड़ियों की खेल प्रतिभा को निखारने का काम किया जाएगा, जिसके लिए शुरुआती स्तर पर खेलों और सीटों का विधिवत निर्धारण कर दिया गया है। इसके तहत फुटबॉल खेल के लिए 25 खिलाड़ी, एथलेटिक्स के लिए 20 खिलाड़ी तथा बस्तर की पारंपरिक और लोकप्रिय विधा आर्चरी यानी तीरंदाजी के लिए 20 खिलाड़ी सीटों का आवंटन किया गया है। इन विधाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सर्वश्रेष्ठ बच्चों को अकादमी का हिस्सा बनने का गौरव प्राप्त होगा।

जगदलपुर में शुरू हो रही है पहली आवासीय खेल अकादमी इस गरिमामयी चयन ट्रायल का आयोजन जगदलपुर के क्रीड़ा परिसर धरमपुरा में किया जा रहा है, जिसमें शामिल होने के लिए खिलाड़ियों को एक निर्धारित प्रक्रिया का पालन करना होगा।

लोगो डिजाइन प्रतियोगिता में मिला रिकॉर्ड प्रतिसाद, छत्तीसगढ़ मंडल उत्साहित

रायपुर। छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल द्वारा आयोजित लोगो डिजाइन प्रतियोगिता को प्रदेश सहित देशभर से शानदार प्रतिसाद प्राप्त हुआ है। प्रतियोगिता के तहत निर्धारित अंतिम तिथि 20 मई 2026 तक लगभग 2700 प्रतिभागियों द्वारा ई-मेल के माध्यम से 3000 से अधिक लोगो डिजाइन भेजे गए हैं। उल्लेखनीय है कि राज्य शासन द्वारा छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल का नाम परिवर्तित कर छत्तीसगढ़ गृह निर्माण



विस्तार किया गया है। अब मंडल केवल आवास निर्माण तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि सड़क, पुल एवं अन्य अधोसंरचना विकास कार्यों का भी क्रियान्वयन करेगा। साथ ही राज्य के बाहर भी अधोसंरचना परियोजनाओं में कार्य करने के अवसर मिलने से मंडल की कार्यक्षमता एवं आर्थिक स्थिति और अधिक मजबूत होगी। इसी क्रम में 12 मई 2026 को आयोजित समय-सीमा बैठक में मंडल के आयुक्त अनीश कुमार शरण द्वारा मंडल के नए स्वरूप एवं विस्तारित कार्यक्षेत्र को प्रतिबिंबित करने के लिए नए लोगो डिजाइन हेतु प्रतियोगिता आयोजित करने के निर्देश दिए गए थे।

प्रतियोगिता में आमजन, कलाकारों, डिजाइनरों एवं संस्थाओं से नए नाम और उसकी अवधारणा के अनुरूप लोगो डिजाइन आमंत्रित किए गए थे। प्रतिभागियों को अपने डिजाइन कॉन्सेप्ट सहित CDR, PDF, PNG एवं JPEG फॉर्मेट में ई-मेल के माध्यम से प्रविष्टियां भेजने का अवसर दिया गया था। मंडल द्वारा चयनित सर्वश्रेष्ठ लोगो के रचनाकार को 2.50 लाख रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी। प्राप्त प्रविष्टियों की स्करूटनी एवं चयन प्रक्रिया तीन चरणों में संपन्न होगी। इसके लिए मंडल द्वारा 5 सदस्यीय समिति का गठन किया गया है। समिति तकनीकी परीक्षण के पश्चात अंतिम चयन हेतु अनुसंसा करेगी। चयन प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद मंडल का नया लोगो सार्वजनिक किया जाएगा तथा चयनित लोगो के रचनाकार को 2.50 लाख रुपये का पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।

संसदीय समितियों की बैठकों में शामिल हुए बृजमोहन अग्रवाल

नई दिल्ली/रायपुर। रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने आज संसद भवन में आयोजित विभिन्न महत्वपूर्ण संसदीय समितियों की बैठकों में सक्रिय सहभागिता करते हुए शिक्षा, महिला एवं बाल विकास, खेल अवसंरचना तथा राष्ट्रीय नीति से जुड़े अहम विषयों पर अपने विचार एवं सुझाव प्रस्तुत किए। सांसद अग्रवाल संसद भवन में आयोजित 130वाँ संविधान संशोधन विधेयक, जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन विधेयक एवं केंद्र शासित प्रदेश सरकार विधेयक के लिए गठित संयुक्त संसदीय समिति की बैठक में शामिल हुए, बैठक में देशहित एवं संवैधानिक व्यवस्थाओं से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर गंभीर चर्चा हुई।



इसके साथ ही उन्होंने देश में खेल अवसंरचना के विकास के लिए अनुमान एवं नीतिगत ढांचा

महत्वपूर्ण प्रतिवेदनों पर विस्तार से विचार-विमर्श कर उन्हें स्वीकार किया गया।बैठक में महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की 'अनुदान मांगों 2025-26' से संबंधित 365वें प्रतिवेदन की सिफारिशों पर सरकार द्वारा की गई प्रगतिशील कार्रवाइयों की समीक्षा करते हुए 379वें प्रतिवेदन पर चर्चा की गई। साथ ही राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप शिक्षकों की क्षमता विकास, राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद की कार्यप्रणाली एवं शिक्षक प्रशिक्षण की नई पहलों से संबंधित शिक्षा मंत्रालय के 368वें प्रतिवेदन पर सरकार की कार्रवाई की समीक्षा भी की गई।

छत्तीसगढ़/राजधानी

प्रमुख समाचार

कृषि महाविद्यालय का 66वां स्थापना दिवस आज

रायपुर। कृषि महाविद्यालय रायपुर के लिए कल का दिन ऐतिहासिक तथा अविस्मरणीय होगा जब यहां इतिहास, वर्तमान एवं भविष्य एक साथ मिलेंगे। कृषि महाविद्यालय, रायपुर कल 22 मई को महाविद्यालय का 66वां स्थापना दिवस मना रहा है। महाविद्यालय के 66वें स्थापना दिवस को भव्य एवं वृहद रूप से मनाने के लिए इस अवसर पर वार्षिक समारोह, छात्र संघ शपथ ग्रहण, पूर्व अधिष्ठाता सम्मान तथा पूर्व छात्र सम्मान समारोह का आयोजन किया जा रहा है जिसके तहत महाविद्यालय के प्रथम बैच के तीन विद्यार्थियों के साथ-साथ विभिन्न क्षेत्रों में सफलता के खास मुकाम हासिल करने वाले भूतपूर्व विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाएगा। सम्मान समारोह के पश्चात आयोजित वार्षिक समारोह में कृषि महाविद्यालय, रायपुर के विद्यार्थियों द्वारा आकर्षक रंगा-रंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी जाएँगी जो महाविद्यालय की प्रतिभा, सृजनशीलता और सांस्कृतिक समृद्धि को रूपांकित करेंगी। इंद्रिा इस अवसर पर नवगठित छात्र संघ के पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया जाएगा। महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. आरती गुहे ने बताया कि सम्मान समारोह में कृषि महाविद्यालय, रायपुर के सात पूर्व अधिष्ठाताओं का सम्मान किया जाएगा, जिन्होंने अपने कार्यकाल में महाविद्यालय को शैक्षणिक, अनुसंधान एवं विस्तार गतिविधियों से नई ऊँचाइयों तक पहुंचाया।

अघोषित बिजली कटौती से आम जनता परेशान : शुक्ला

रायपुर। गर्मी के मौसम में अघोषित बिजली की कटौती आम आदमी के लिये सरदर्द बन गयी है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि बिजली के साथ भाजपा सरकार आने के बाद जनता को पूरे 24 घंटे बिजली नहीं मिल रही है। पूरे प्रदेश में अघोषित बिजली कटौती हो रही है। ढाई साल में विद्युत सरप्लस वाला छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत कटौती का केंद्र बन गया है। कोई ऐसा दिन नहीं होता जब बिजली दो-चार घंटे



के लिये बंद न हो, रात में तो बिजली की स्थिति तो और भयावह हो जाती है, घंटी बिजली गोल हो जाती है। भाजपा से न सरकार संभल पा रहा और न ही व्यवस्थायें। सरकार एक तो पूरे समय बिजली नहीं दे पा रही, ऊपर से उपभोक्ताओं पर महंगी बिजली का बोझ डाल रही है। प्रदेश के अनेक जिलों में तो पूरी रात बिजली कटौती हो रही है। भाजपा सरकार में आम जनता को मांग के अनुसार बिजली नहीं मिल रहा है। बिजली कटौती और लो वोल्टेज की समस्या से शहर और गांव की जनता जूझ रहे हैं प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि एक तरफ बिजली कटौती हो रही, दूसरी ओर मई माह में लोगों का बिजली बिल दुगुना आया है, बढ़े बिजली बिल से जनता परेशान है।

स्कूल फीस में वृद्धि तत्काल वापस लिया जाये : ठाकुर

रायपुर। दसवीं, बारहवीं की परीक्षा शुल्क एवं अन्य 22 मदों की फीस में दोगुनी वृद्धि को वापस लेने की मांग करते हुये प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि भाजपा सरकार ने सरकारी स्कूलों की फीस में वृद्धि करके महंगाई से लड़ रहे गरीब माता-पिता, बच्चों पर कुटाराघात किया है, सरकार को तत्काल फीस वृद्धि के फैसले को वापस लेना चाहिये। दसवीं, बारहवीं की परीक्षा शुल्क एवं 22 मदों के फीस में दोगुना वृद्धि कर गरीब एवं एससी, एसटी वर्ग के छात्रों का खर्चा बढ़ा दिया है। ये फैसला भाजपा सरकार की शिक्षा रीढ़ोधी होने का प्रमाण है। इससे गरीब एवं आरक्षित वर्ग के छात्र तनाव में आ गये है।

गरीब माता-पिता पर व्यय भार बढ़ गया। आखिर सरकार को दसवीं, बारहवीं की नियमित फीस 460 रु. से बढ़ाकर 800 रु. नामांकन शुल्क 80 रु. से बढ़ाकर 200 रु., अतिरिक्त विषय का फीस 110 रु. से 250 रु. सम्पूर्ण विषय 10वीं, 12वीं 1230 रु. से 1600 रु. एक विषय का 280 रु. से 500 रु., दो विषय का 340 रु., से 600 रु., परीक्षा केंद्र परिवर्तन 240 रु. से 400 रु., स्वाध्यायी विलम्ब शुल्क 770 रु. 1000 रु., विशेष विलम्ब शुल्क 1540 रु. से 2000 रु. करने की आवश्यकता क्यों पड़ी।



सरपंचों का इस्तीफा सुशासन दावे पर करारा तमाचा: वर्मा

रायपुर। बस्तर संभाग के कांकर जिले के अंतागढ़ ब्लॉक के सभी 56 ग्राम पंचायतों के सरपंचों के सामूहिक इस्तीफे को सरकार के द्वारा किये जा रहे सुशासन के दावे पर करारा तमाचा बताते हुए प्रदेश कांग्रेस कमेट्री के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि भाजपा सरकार केवल झूठ और जुमलों की सरकार है, सत्ता के विकेंद्रीकरण से भाजपा को कितनी हिकारत है वह स्थानीय निकायों की दुर्दशा, बदहाली और वर्तमान

सुविधाओं से जुड़े काम ढप्प पड़े है। सड़क, नाली, बिजली, पानी, भवनों का रखरखाव तक नहीं हो पा रहा है। प्रदेश कांग्रेस कमेट्री के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि डबल इंजन की सरकार में स्थानीय निकायों के अधिकार छीने जा रहे हैं। जानबूझकर बजट और फंड रोका जा रहा है, पंचायतों के जन प्रतिनिधियों के पास संसाधनों की कमी के कारण कोई जवाब नहीं बचा है, भाजपा सरकार की दुर्भावना के चलते ही पंचायतों के निर्वाचित जनप्रतिनिधि ग्रामीणों के गुस्से का शिकार हो रहे हैं।

पेयजल संकट, हर घर नल का दावा झूठा: राजपूत

रायपुर। छत्तीसगढ़ में भीषण गर्मी शुरू होते ही उत्पन्न पेयजल संकट के लिए भाजपा सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता वंदना राजपूत ने कहा है कि जल जीवन मिशन के तहत घर-घर नल पहुंचाने का कार्य पूर्ववर्ती कांग्रेस की सरकार में हुआ था लेकिन सरकार बदलते ही पेयजल परियोजनाओं पर ग्रहण लग गया, ठेकेदारों का भुगतान दुर्भावना पूर्वक रोके जाने से शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में क्रियान्वयन

छम्पू विभाग की उदासीनता से नहीं हो रहा है जिसके चलते ही रायपुर, दुर्ग, राजनांदगांव, जशपुर, बलारामपुर, अंबिकापुर और सूरजपुर सहित पूरे प्रदेश में हाहाकार की स्थिति निर्मित हो गई है। राजधानी रायपुर के 70 में से 35 बाई जल प्रभावित हैं, शहर के लगभग आधे हिस्से में पानी की भारी क्लिष्ट है, मरम्मत के अभाव में पाइपलाइन खराब होने के कारण समस्या और बढ़ गई है। टैंकरों पर निर्भरता बढ़ गई है, ट्रिपल इंजन सरकार जनता के लिए टूबल इंजन साबित हो रहा है। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता वंदना राजपूत ने कहा है कि सरकार के कुप्रबंधन के कारण जल स्तर में भारी गिरावट आई है, जिसके कारण ही गंभीर संकट उत्पन्न हो गया है।



लखपति से करोड़पति दीदी बनने का मुख्यमंत्री ने दिया मंत्र

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज ग्राम रामपुर में सुशासन तिहार के अंतर्गत आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में विभिन्न शासकीय योजनाओं के हितग्राहियों से आत्मीय संवाद कर उनके जीवन में आए सकारात्मक बदलावों को करीब से जाना। मुख्यमंत्री ने महिलाओं, किसानों और ग्रामीण परिवारों से योजनाओं के लाभ, आयवृद्धि, आजीविका और जीवनस्तर में आए सुधारों की जानकारी लेते हुए कहा कि जब शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचता है, तभी सुशासन की वास्तविक सार्थकता सिद्ध होती है।

संवाद के दौरान मुख्यमंत्री श्री साय ने साधना महिला स्व-सहायता समूह से जुड़ी जागेश्वरी प्रजापति से उनके समूह द्वारा तैयार किए जा रहे आलू चिप्स के व्यवसाय की जानकारी ली। जागेश्वरी ने बताया कि समूह अब तक आलू चिप्स की बिक्री से लगभग 1 लाख 85 हजार रुपये की आय अर्जित कर चुका है। यह समूह मुख्यमंत्री ने सहज मुस्कान के साथ कहा, आलू चिप्स का नाम सुनकर ही मुंह में पानी आ रहा है। मुख्यमंत्री की इस आत्मीय टिप्पणी से शिविर स्थल पर हर्ष और आत्मीयता का वातावरण बन गया। मुख्यमंत्री ने समूह की महिलाओं की मेहनत और उद्यमशीलता की सराहना करते हुए उन्हें अपने उत्पादों का विस्तार करने, बेहतर पैकेजिंग और बाजार से जुड़कर आय बढ़ाने के लिए प्रेरित किया।

मुख्यमंत्री ने इस दौरान महिलाओं से लखपति दीदी योजना की प्रगति पर चर्चा करते हुए कहा कि प्रदेश में अब तक 8 लाख से अधिक महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं तथा सरकार का लक्ष्य 10 लाख लखपति दीदियां तैयार करना है। उन्होंने महिलाओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि अब समय केवल लखपति बनने का नहीं, बल्कि आगे बढ़कर करोड़पति दीदी बनने का है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आर्थिक रूप से सशक्त महिलाएं परिवार, समाज और राज्य के विकास की सबसे मजबूत आधारशिला होती हैं। शिविर में मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राही प्राण साय प्रजापति से भी आत्मीय चर्चा की। हितग्राही ने बताया कि योजना के माध्यम से उनके परिवार का पक्के मकान का सपना पूरा हुआ है। मुख्यमंत्री ने उन्हें

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में अब तक 8 लाख से अधिक महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं तथा सरकार का लक्ष्य 10 लाख लखपति दीदियां तैयार करना है। उन्होंने महिलाओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि अब समय केवल लखपति बनने का नहीं, बल्कि आगे बढ़कर करोड़पति दीदी बनने का है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आर्थिक रूप से सशक्त महिलाएं परिवार, समाज और राज्य के विकास की सबसे मजबूत आधारशिला होती हैं। शिविर में मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राही प्राण साय प्रजापति से भी आत्मीय चर्चा की। हितग्राही ने बताया कि योजना के माध्यम से उनके परिवार का पक्के मकान का सपना पूरा हुआ है। मुख्यमंत्री ने उन्हें

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में अब तक 8 लाख से अधिक महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं तथा सरकार का लक्ष्य 10 लाख लखपति दीदियां तैयार करना है। उन्होंने महिलाओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि अब समय केवल लखपति बनने का नहीं, बल्कि आगे बढ़कर करोड़पति दीदी बनने का है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आर्थिक रूप से सशक्त महिलाएं परिवार, समाज और राज्य के विकास की सबसे मजबूत आधारशिला होती हैं। शिविर में मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राही प्राण साय प्रजापति से भी आत्मीय चर्चा की। हितग्राही ने बताया कि योजना के माध्यम से उनके परिवार का पक्के मकान का सपना पूरा हुआ है। मुख्यमंत्री ने उन्हें

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में अब तक 8 लाख से अधिक महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं तथा सरकार का लक्ष्य 10 लाख लखपति दीदियां तैयार करना है। उन्होंने महिलाओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि अब समय केवल लखपति बनने का नहीं, बल्कि आगे बढ़कर करोड़पति दीदी बनने का है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आर्थिक रूप से सशक्त महिलाएं परिवार, समाज और राज्य के विकास की सबसे मजबूत आधारशिला होती हैं। शिविर में मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राही प्राण साय प्रजापति से भी आत्मीय चर्चा की। हितग्राही ने बताया कि योजना के माध्यम से उनके परिवार का पक्के मकान का सपना पूरा हुआ है। मुख्यमंत्री ने उन्हें

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में अब तक 8 लाख से अधिक महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं तथा सरकार का लक्ष्य 10 लाख लखपति दीदियां तैयार करना है। उन्होंने महिलाओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि अब समय केवल लखपति बनने का नहीं, बल्कि आगे बढ़कर करोड़पति दीदी बनने का है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आर्थिक रूप से सशक्त महिलाएं परिवार, समाज और राज्य के विकास की सबसे मजबूत आधारशिला होती हैं। शिविर में मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राही प्राण साय प्रजापति से भी आत्मीय चर्चा की। हितग्राही ने बताया कि योजना के माध्यम से उनके परिवार का पक्के मकान का सपना पूरा हुआ है। मुख्यमंत्री ने उन्हें

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में अब तक 8 लाख से अधिक महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं तथा सरकार का लक्ष्य 10 लाख लखपति दीदियां तैयार करना है। उन्होंने महिलाओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि अब समय केवल लखपति बनने का नहीं, बल्कि आगे बढ़कर करोड़पति दीदी बनने का है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आर्थिक रूप से सशक्त महिलाएं परिवार, समाज और राज्य के विकास की सबसे मजबूत आधारशिला होती हैं। शिविर में मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राही प्राण साय प्रजापति से भी आत्मीय चर्चा की। हितग्राही ने बताया कि योजना के माध्यम से उनके परिवार का पक्के मकान का सपना पूरा हुआ है। मुख्यमंत्री ने उन्हें



शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हर गरीब निवास प्रिया सिंह ने मुख्यमंत्री को बताया कि उन्होंने शिविर में राशन कार्ड के लिए आवेदन दिया था और उसी दिन उनका आवेदन निराकृत कर राशन कार्ड उपलब्ध करा दिया गया। मुख्यमंत्री ने

और स्पष्ट दिखी जब ग्राम चंद्रपुर निवासी प्रिया सिंह ने मुख्यमंत्री को बताया कि उन्होंने शिविर में राशन कार्ड के लिए आवेदन दिया था और उसी दिन उनका आवेदन निराकृत कर राशन कार्ड उपलब्ध करा दिया गया। मुख्यमंत्री ने